सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" जब आप ऊंचाईयों की सीढ़ियां चढ़ रहे हो तो, पीछे छूटे लोगों से बहुत अच्छा व्यवहार करें क्योंकि उतरते समय यह सभी रास्ते में फिर मिलेंगे ... !! "
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-150 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 19 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सीएम हाउस में पांच घंटे चली हाई लेवल बैठक, मंत्रिमंडल फेरबदल पर अटकलें तेज

सत्ता-संगठन में तालमेल, कानून व्यवस्था और कांग्रेस के हमलों पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री निवास में गुरुवार रात साढ़े आठ बजे से हाई लेवल बैठक बुलाई गई। सूत्रों के मुताबिक बैठक लगभग पांच घंटे चली। इसमें मंत्रियों के अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री अजय जामवाल और पवन साय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कई अहम मुद्दों पर चर्चा

सूत्रों ने बताया कि बैठक में सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। कांग्रेस के हालिया राजनीतिक आक्रमण पर आक्रामक शैली में जवाब देने की रणनीति बनाई गई। सूत्रों के हवाले से खबर है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल पर भी चर्चा हुई, लेकिन इसे मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार बताकर कोई भी खुलकर टिप्पणी करने से बच रहा है।

अचानक बुलावे से बढ़ी हलचल

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी मंत्रियों को रात 8:30 बजे मुख्यमंत्री निवास पहुंचने के लिए कहा गया था। मंत्रियों को अचानक बुलावा भेजे जाने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। पूरी रात राजनीतिक हलकों में बेचैनी देखी गई।

आधिकारिक एजेंडा नहीं हुआ सार्वजनिक

हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के साथ सरकार की प्राथमिकताओं, विभागीय कार्यों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों और विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की। इसे सरकार की रणनीतिक और महत्वपूर्ण बैठकों में से एक माना जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि बैठक के बाद भी किसी मंत्री या नेता ने आधिकारिक बयान नहीं दिया। मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलों पर सभी ने चुप्पी साध रखी है।

भिलाई पुलिस करोड़ों के स्क्रैप चोरी करने वाले नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी, पूछताछ में कई नाम आए सामने

वाहन मालिकों, बीएसपी और सीआईएसएफ के कतिपय अधिकारी भी जांच के दायरे में

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र से 250 टन लौह स्क्रैप चोरी के मामले में पुलिस जांच में नए खुलासे हुए हैं। रिमांड पर लिए गए मुख्य आरोपी ट्रांसपोर्टर संजय सिंह ने पूछताछ में पांच और लोगों के नाम उगले हैं। इनमें तीन संदिग्धों की भूमिका अहम मानी जा रही है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। साथ ही अपराध से अर्जित संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

एके ट्रेडर्स यार्ड से मिला था 250 टन स्क्रैप

भिलाई-तीन थाना पुलिस ने 26 मई को ग्राम अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स के यार्ड में छापा मारकर फ्लू डस्ट के बीच छिपाकर रखा गया करीब 250 टन बीएसपी का लौह स्क्रैप बरामद किया था। इस दौरान हाइवा, ट्रक, बैंकहो लोडर, चेन माउंटेन समेत करीब 3.22 करोड़ रुपये की मशीनरी जब्त की गई थी। मामले में संजय सिंह समेत 10 आरोपी अब तक गिरफ्तार हो चुके हैं।

तीन संदिग्धों की भूमिका आई सामने

पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ में जिन तीन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनकी भूमिका संदिग्ध है। पहला स्क्रैप यार्ड का कथित ऑपरेटर है। वह चोरी का स्क्रैप यार्ड तक पहुंचने के बाद उसकी निगरानी करता था। फ्लू डस्ट से स्क्रैप अलग कराने, वजन कराने और रसमड़ा-सिलतरा की औद्योगिक इकाइयों तक भिजवाने में उसकी भूमिका बताई जा रही है। वह प्रतिदिन के माल का हिसाब भी रखता था।

दूसरा व्यक्ति एक नामी गैंग से जुड़ा हिस्ट्रीशीटर से समाजसेवी बना शख्स है। वह एक पुराने हिस्ट्रीशीटर का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। प्लांट क्षेत्र में रंगदारी, ड्राइवरों से मारपीट और सीआईएसएफ कर्मियों को धमकाने की शिकायतें उससे जुड़ी रही हैं। वह अपने और अपने संरक्षक की गाड़ियों का संचालन देखता था।

तीसरा संदिग्ध आपराधिक पृष्ठभूमि वाला है जो वर्तमान में एक सामाजिक संगठन से जुड़ा है। सूत्रों के मुताबिक फ्लू डस्ट परिवहन में उसकी गाड़ियों का उपयोग होता था। पुलिस उसकी आर्थिक और परिवहन संबंधी भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस ने फिलहाल तीनों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं।

जब्त वाहनों में सीजी-10-आर-2004 नंबर का वाहन भी शामिल है, जिसमें फ्लू डस्ट के साथ बीएसपी का स्क्रैप लोड मिला था। आरटीओ रिकॉर्ड के अनुसार वाहन मालिक को जांच के दायरे में लिया जा रहा है। सीजी-04-क्यूटी-8797 नंबर का वाहन एक इंटरप्राइजेस के नाम पर दर्ज है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और परिवहन रिकॉर्ड से नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही है।

संपत्ति कुर्क करने की तैयारी

शहर एएसपी सुखनंदन राठौर ने कहा कि फरार इनामी आरोपी संजय सिंह द्वारा अपराध से अर्जित संपत्तियों का विवरण जुटाया जा रहा है। कानूनी प्रावधानों के तहत संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ और जांच जारी है।

अब भी कई सवाल बाकी

बीएसपी परिसर से स्क्रैप बाहर कैसे निकलता रहा, परिवहन में इस्तेमाल वाहनों की वास्तविक भूमिका क्या थी, चोरी का माल खरीदने और खपाने वाले कौन हैं, फ्लू डस्ट की आड़ में यह खेल कब से चल रहा था, जैसे सवालों के जवाब अभी बाकी हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

चोरी में संगठित गिरोह सक्रिय

भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-3 स्क्रैप यार्ड से 250 टन लौह स्क्रैप चोरी का मामला अब सिर्फ चोरी नहीं रहा। इसने बीएसपी की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस यार्ड की निगरानी जीएम और एजीएम स्तर के अधिकारी करते हैं, वहां से करोड़ों का स्क्रैप लगातार बाहर जाता रहा और जिम्मेदारों को भनक तक नहीं लगी।

एक और संदिग्ध पुलिस के हत्थे चढ़ा : क्राइम ब्रांच की पूछताछ में मुख्य आरोपी ट्रांसपोर्टर संजय सिंह ने कई नाम उजागर किए हैं। इसी कड़ी में पुलिस के हाथ एक ऐसा व्यक्ति लगा है जो अकलोरडीह यार्ड में स्क्रैप की अनलोडिंग-लोडिंग कराकर उसे रसमड़ा और सिलतरा भेजने का काम करता था। पुलिस को उम्मीद है कि इस कड़ी से पूरे संगठित नेटवर्क का खुलासा होगा।

फरारी में मददगार जेल भेजा गया : एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि संजय सिंह की फरारी में सहयोग करने वाले चिंटू ओझा को भी पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ पूरी होने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। मुख्य आरोपी संजय सिंह से पूछताछ जारी है।

निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल : बीएसपी के जानकार अधिकारियों का कहना है कि मटेरियल रिकवरी विभाग से निकलने वाला स्क्रैप एसएमएस-3 स्क्रैप यार्ड में पहुंचता है। इसकी निगरानी वरिष्ठ अधिकारी करते हैं। ईआरपी सिस्टम से यह जानकारी रहती है कि कितना स्क्रैप आया, कितना उपयोग हुआ और कितना स्टॉक शेष है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों का स्क्रैप लंबे समय तक चोरी होता रहा तो जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी क्यों नहीं हुई। प्रबंधन को उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच करानी चाहिए। लापरवाही या मिलीभगत सामने आने पर अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

भोजराज सिन्हा बोले- राष्ट्रीय संपत्ति पर सुनियोजित हमला, दोषियों को कठोर दंड मिले

भिलाई इस्पात संयंत्र से करोड़ों रुपये की लौह सामग्री चोरी के मामले को नगर पालिक निगम भिलाई के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने राष्ट्रीय संपत्ति और औद्योगिक सुरक्षा पर सुनियोजित हमला बताया है। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है।

CBI जांच ही उजागर करेगी सच : भोजराज सिन्हा नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने कहा कि यह केवल आपराधिक घटना नहीं, बल्कि जनविश्वास पर हमला है। दुर्ग पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो सराहनीय है। लेकिन सवाल उठता है कि इतनी बड़ी चोरी कुछ लोगों के बूते संभव नहीं। इसके पीछे किसका संरक्षण था, नेटवर्क कैसे चला और किसे आर्थिक लाभ पहुंचा, इसकी गहन जांच जरूरी है।

राष्ट्र निर्माण के प्रतीक पर हमला : श्री सिन्हा ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र लाखों लोगों की भावनाओं और राष्ट्र निर्माण का प्रतीक है। यहां से करोड़ों की सामग्री चोरी होना चिंताजनक है। यह संगठित आपराधिक तत्वों का काम है। ऐसे अपराधों से करदाताओं के धन, सार्वजनिक उपक्रमों की प्रतिष्ठा और शासन की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचती है। दोषियों को बेनकाब कर कठोर दंड नहीं मिला तो संगठित आर्थिक अपराधों को बढ़ावा मिलेगा।

एसपी को सौंपा प्रतिवेदन : भोजराज सिन्हा ने पुलिस अधीक्षक दुर्ग को प्रतिवेदन सौंपकर राज्य शासन और सक्षम प्राधिकारियों से सीबीआई जांच की अनुशंसा भेजने की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और उच्चस्तरीय एजेंसी की जांच के बिना वास्तविक षड्यंत्रकारियों, संरक्षणकर्ताओं और लाभार्थियों का खुलासा नहीं हो पाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा और जनभावनाओं का सम्मान करते हुए निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बीएसपी में लोहा चोरी पर विधायक रिकेश का बड़ा अभियान, मुख्यमंत्री से आज चर्चा, कल होंगे दिल्ली रवाना

सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित उपक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र में लंबे समय से सामने आती रही लोहा चोरी और अवैध कबाड़ कारोबार की शिकायतों को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधायक सेन आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे नई दिल्ली जाकर केंद्रीय इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी को विस्तृत ज्ञापन सौंपेंगे।

राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा को बनाया जनहित का मुद्दा : विधायक रिकेश सेन ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि देश की आर्थिक शक्ति, लाखों परिवारों की आजीविका और छत्तीसगढ़ की पहचान का प्रतीक है। ऐसे में संयंत्र की संपत्तियों की सुरक्षा सवोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले कई दशकों से समय-समय पर लोहा चोरी और अवैध कबाड़ कारोबार से जुड़े गंभीर आरोप सामने आते रहे हैं इसलिए इन सभी मामलों की निष्पक्ष, उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच आवश्यक है।

स्थानीय नेटवर्क और कथित मिलीभगत की जांच की मांग : विधायक सेन ने मांग की है कि जांच एजेंसियां उन सभी पहलुओं की पड़ताल करें जिनमें स्थानीय प्रभावशाली तत्वों, राजनीतिक संरक्षण, सुरक्षा तंत्र तथा संबंधित अधिकारियों की संभावित भूमिका को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर मिलीभगत या संरक्षण के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। जांच का उद्देश्य केवल दोषियों की पहचान नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना भी होना चाहिए।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को भी भेजेंगे पत्र : रिकेश सेन ने बताया कि वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी विस्तृत पत्र भेज रहे हैं। पत्र में भिलाई इस्पात संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने, निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की जाएगी।

मनगट्टा रिसोर्ट में भिलाई की युवती की संदिग्ध मौत, साथी फरार

बाथरूम में मिली अचेत, अस्पताल में घोषित मृत, पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी

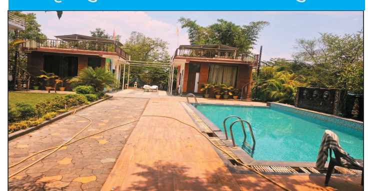

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मनगट्टा स्थित विसलीइंग वुड रिसॉर्ट में भिलाई-3 निवासी 24 वर्षीय युवती मुस्कान तिवारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना सोमनी थाना क्षेत्र की है। युवती के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पार्टी से लौटकर रुके थे रिसोर्ट में

पुलिस के अनुसार मुस्कान भिलाई-3 स्थित मुक्त अ-2 सिनेमाज में मैनेजर थी और मॉडलिंग का शौक रखती थी। वह अपने दोस्तों के साथ रायपुर के क्लब में पार्टी करने गई थी। वापसी में सभी दोस्त मनगट्टा के विसलीइंग वुड रिसॉर्ट पहुंचे। रात में सभी भोजन कर रहे थे तभी मुस्कान वहां नहीं आई। तलाश करने पर वह बाथरूम में अचेत अवस्था में मिली।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

दोस्त उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सोमनी पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शव को मर्चुरी में रखवा दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद चलेगा।

सुबह होने से पहले फरार हुए साथी

मामले में सबसे संदिग्ध बात यह है कि मुस्कान के साथ रिसॉर्ट आए सभी साथी सुबह होने से पहले ही बिना बताए फरार हो गए। साथियों का इस तरह चले जाना पुलिस के लिए बड़े सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस फरार साथियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

स्टाफ से पूछताछ जारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। रिसॉर्ट के कमर्चारियों और घटना से जुड़े अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फरार साथियों से पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

कोहका पानी टंकी की लीकेज मरम्मत शुरू, पांच साल से बह रहा था हजारों लीटर पानी

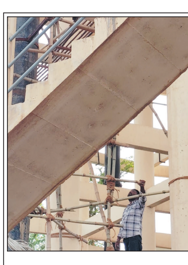

भाजपा नेता शारदा गुप्ता की शिकायत पर निगम हरकत में, जल संरक्षण की उठाई मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका स्थित मंगल बाजार पानी टंकी में पिछले पांच साल से हो रही पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत आखिरकार शुरू हो गई है। भाजपा नेता शारदा गुप्ता की शिकायत के बाद नगर निगम ने 19 जून से काम शुरू कराया।

रोज बह रहा था हजारों लीटर पानी : शारदा गुप्ता ने बताया कि टंकी में पानी भरते ही पाइपलाइन से रिसाव शुरू हो जाता था। इससे रोज हजारों लीटर पानी नालियों में बह रहा था। वहीं शांति नगर कॉलोनी के लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे थे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त से शिकायत की, जिसके बाद मरम्मत कार्य शुरू हुआ।

स्थानीय लोगों ने जताई नाराजगी : समाजसेवी टिकेंद्र कुमार और रमेश देशमुख ने कहा कि पाइपलाइन लंबे समय से क्षतिग्रस्त थी। समय पर सुधार न होने से पानी की भारी बर्बादी हो रही थी। क्षेत्रवासियों का कहना है कि एक तरफ नालियों में पानी बह रहा था, दूसरी तरफ लोग बूंद-बूंद को तरस रहे थे।

जल संरक्षण की मांग उठाई : शारदा गुप्ता ने कहा कि भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और बोरिंग फेल हो रहे हैं। शिवनाथ नदी पास होने के बावजूद पानी की समस्या गंभीर है। उन्होंने तालाबों के गहरीकरण, हर घर में रेन हार्वेस्टिंग अनिवार्य करने और बरसात के पानी के संरक्षण की ठोस योजना बनाने की मांग की।

इस मांग का कन्हैया सोनी, रवि सिंह, निशु पांडे, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, विनोद उपाध्याय, बृजमोहन उपाध्याय, वीरेंद्र यादव समेत कई कार्यकर्ताओं ने समर्थन किया।

तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर, जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने विशेष अभियान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेशभर में चलाए जा रहे विश्वास के विकास के, जन कल्याण के अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा 18 से 20 जून 2026 तक तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर निगम के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित होगा।

शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। इस दौरान नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों का पंजीयन भी किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर शिविर के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयोजन के लिए उप आयुक्त श्री साहू को नोडल अधिकारी तथा कार्यपालन अभियंता प्रकाशचंद धवनी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शिविर स्थल पर मंच व्यवस्था, विद्युत एवं साउंड सिस्टम, पेयजल, अल्पाहार, साफ-सफाई, प्रचार-प्रसार, कंप्यूटर व्यवस्था, पंजीयन काउंटर, स्वागत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग विभागों को दायित्व दिए गए हैं। साथ ही सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक संसाधन एवं सामग्री समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता अनुसार पंजीयन कर योजनाओं का लाभ उठाएं। निगम के अनुसार यह अभियान जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम पर निगम की नजर, बंद मिलने पर निगम करेगा कार्रवाई

रिसाली। आवासों और व्यावसायिक परिसर में बने वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की निगम जांच करेगा। वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बंद या फिर कंडम होने पर नगर पालिक निगम रिसाली प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई करेगा। इसके लिए आयुक्त मोनिका वर्मा न केवल टीम का गठन की है, बल्कि सूची के आधार पर जल संरक्षरण के लिए बनाए सोक पिट का सत्यापन भी करा रही है। नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा ने निर्धारित माप दण्डों पर तैयार वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का सत्यापन करने का निर्देश दी है। आयुक्त ने बताया कि वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बंद या फिर कंडम मिलने पर नियमानुसार वे कार्रवाई भी करेंगी। उन्होंने ने बताया कि वर्तमान समय में शासन लगातार जल संरक्षण को लेकर गंभीर है। शासन के निर्देश पर ही पूरे क्षेत्र में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच की जा रही है। भवन निर्माण के समय सशर्त दी गई अनुज्ञप्ति के अनुसार जल संरक्षण के लिए कदम उठाया जाना निर्धारित है। अगर किसी प्रकार की कोताही बर्ती गई तो पहले समझाइश दी जाएगी अन्यथा की स्थिति में कार्रवाई किया जाना प्रस्तावित है। आयुक्त मोनिका वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि घर अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थल पर बने वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को बारिश के पूर्व सभी संधारित कर लें।

क्यों आवश्यक है- वर्तमान समय में भूमिगत जल स्रोत लगातार गिरते जा रहा है। पेयजल अथवा निस्तारी के लिए पानी की आपूर्ति करना एक चुनौति के रूप में सामने खड़ा हुआ है। यही वजह है कि आने वाले समय में पेयजल बाधित न हो इसके लिए बारिश के पानी को संरक्षित कर भूमिगत जल के स्रोत को बढ़ाने देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत घर अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक जगहों पर वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है।

बारिश के पूर्व करें सफाई : निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि नागरिकों द्वारा बनाए घरों अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बने वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सफाई कर उसे चालू करना बेहद आसान है। उन्होंने ने बताया कि आमतौर पर दो स्तर पर वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया गया है। पहला बारिश के पानी को सीधे तौर पर बोर अथवा कुंआ में डालकर संरक्षित किया जाता है। वहीं दूसरी पद्धति में बारिश के पानी को भूमिगत करने सिस्टम तैयार किया जाता है। इस प्रणाली में मिट्टी, गिट्टी, रेत व चारकोल का उपयोग किया जाता है। छः माह से अधिक समय होने पर नागरिक चारकोल के ऊपर बिछाए जाली को पहले साफ करे, इसके बाद बारिश के पानी को सिस्टम तक लाने बिछाए गए पाइप लाइन सफाई कर उपरी सतह पर जमे मिट्टी को हटा दे। इससे सिस्टम बारिश में अच्छे से काम करता है।

खास खबर

निगम-राजस्व व पुलिस की संयुक्त बड़ी कार्रवाई : बोरसी भाठा की शासकीय भूमि से वर्षो पुराना अतिक्रमण हटाया

जेसीबी की मदद से चार व्यावसायिक अतिक्रमण किया ध्वस्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग, राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने वार्ड क्रमांक 50 बोरसी भाठा स्थित शासकीय भूमि पर किए गए

अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षो पुराने अतिक्रमण को हटाया। न्यायालयीन आदेश के पालन में की गई इस कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण ध्वस्त कर शासकीय भूमि को मुक्त कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोरसी भाठा क्षेत्र की शासकीय भूमि खसरा नंबर 194/1 पर कुल 35 व्यक्तियों द्वारा कब्जा किया गया था। इस मामले में तहसीलदार न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए थे। कब्जाधारियों द्वारा दायर अपील को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दुर्ग द्वारा भी निरस्त कर दिया गया था। प्रशासन के अनुसार 35 अतिक्रमण प्रकरणों में से एक मामले में उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त है, जबकि 19 प्रकरणों में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी न्यायालय से स्थगन प्रभावशील है। वहीं 10 प्रकरण वर्तमान में न्यायालयीन विचाराधीन है।

शेष 4 प्रकरणों में संबंधित व्यक्तियों द्वारा शासकीय भूमि पर व्यावसायिक उपयोग किए जाने की पुष्टि होने पर कार्रवाई की गई। इनमें जीवन यादव, कुमारी बाई, मोहन खेरडे एवं रोहित विश्वकर्मा के नाम शामिल हैं। इन मामलों में किसी प्रकार का स्थगन आदेश प्रभावी नहीं होने के कारण संयुक्त प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अन्य प्रकरणों में भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

नवीन शिक्षा सत्र का शुभारंभ, संस्कार और संस्कृति से जुड़ेंगे विद्यार्थी

दुर्ग। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में मंगलवार से नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 का शुभारंभ उत्साह और उल्लास के साथ हुआ। शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विद्यालयों में पहले ही दिन से राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वंदना एवं गुरुमंत्र के साथ शैक्षणिक गतिविधियों की शुरुआत हुई। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित नई दिनचर्या के अनुसार अब प्रदेश के सभी विद्यालयों में प्रतिदिन प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी, जिसमें राष्ट्रगान के साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं नैतिक गतिविधियां शामिल होंगी। वहीं मध्यान्ह भोजन से पूर्व विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से भोजन मंत्र का उच्चारण किया जाएगा तथा विद्यालय की छुट्टी के समय राज्यगीत, गायत्री मंत्र और शांति मंत्र का सामूहिक वाचन कराया जाएगा।

नए शिक्षा सत्र के प्रथम दिवस विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया जा रहा है । इसके साथ ही विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि तथा उन्हें विद्यालयों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेशभर में 27 जून तक 12 दिवसीय शाला प्रवेशोत्सव अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालयों में सामूहिक रूप से मंत्रोच्चार, प्रार्थना एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा। इससे बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित होगी। शिक्षा जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 से प्रदेश के सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के बौद्धिक, मानसिक एवं सांस्कृतिक विकास को ध्यान में रखते हुए लागू की गई नई व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है। उनका

जनसुनवाई : मोबाइल मुआवजा, डीएनए टेस्ट और सेवा समाप्ति पर की अनुशंसा

महिला आयोग का महत्वपूर्ण फैसला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं प्रभारी सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया ने आज दुर्ग स्थित प्रेरणा सभा कक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की। आयोग की 399वीं प्रदेश स्तरीय एवं दुर्ग जिले की 15वीं सुनवाई में दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के कुल 50 प्रकरणों की सुनवाई की गई।

सुनवाई के दौरान आयोग ने कई महत्वपूर्ण मामलों में निर्णय और अनुशंसाएं जारी कीं। एक मामले में खराब मोबाइल फोन से संबंधित शिकायत पर आयोग ने आवेदिका को उपभोक्ता फोरम में मोबाइल की पूरी कीमत, नया मोबाइल तथा डेढ़ वर्ष की मानसिक क्षतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत करने की सलाह दी।

एक अन्य प्रकरण में शासकीय सेवा में रहते हुए द्विविवाह के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर आयोग ने संबंधित दो शासकीय कर्मचारियों की सेवा समाप्ति की अनुशंसा जिला प्रशासन को भेजने का निर्णय लिया। सुनवाई के दौरान एक लंबे समय से लंबित पारिवारिक विवाद में आयोग की पहल पर आवेदिका को एक लाख रुपये नगद एवं विवाह में दिया गया सामान वापस दिलाया गया। शेष राशि निर्धारित किश्तों में देने पर दोनों पक्षों में सहमति बनी। पितृत्व संबंधी एक मामले में आयोग ने संबंधित पक्षों के डीएनए परीक्षण की अनुशंसा करते हुए कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इसके अलावा कई मामलों में आपसी समझौते, सामाजिक सुलह एवं न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन होने के आधार पर मामलों का निराकरण किया गया। सुनवाई के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग द्वारा डॉ. किरणमयी नायक के छह वर्षीय कार्यकाल के लिए उनका सम्मान भी किया गया। आयोग ने कहा कि महिलाओं को त्वरित न्याय और अधिकार दिलाने के लिए इस प्रकार की जनसुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

आईआईटी भिलाई और फ्रांस के सेंट्रेल नैनटेस के बीच समझौता, शिक्षा व शोध सहयोग को मिलेगा वैश्विक विस्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई ने वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को नई दिशा देते हुए फ्रांस के प्रतिष्ठित संस्थान सेंट्रेल नैनटेस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 14 से 16 जून 2026 तक फ्रांस के नीस शहर में आयोजित भारत इनोवेट्स (भारतीय शिक्षा इकोसिस्टम के लिए ग्लोबल एक्सेलेरेशन) कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक, शोध, पेशेवर तथा सांस्कृतिक सहयोग को सुदृढ़ करना है। इसके माध्यम से फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, संयुक्त शोध परियोजनाओं तथा अंतरराष्ट्रीय अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है।

समझौते के तहत दोनों संस्थान फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रम, छात्र विनिमय, संयुक्त शोध गतिविधियों, बहु-राष्ट्रीय एवं बहु-संस्थागत परियोजनाओं, सेमिनारों तथा शैक्षणिक बैठकों में सहभागिता को प्रोत्साहित करेंगे। इसके अलावा शैक्षणिक सामग्री और अन्य अकादमिक सूचनाओं के आदान-प्रदान, विशेष अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों, समर रिसर्च प्रोग्राम तथा विदेश अध्ययन कार्यक्रमों के साथ संयुक्त एवं दोहरी डिग्री पाठ्यक्रमों की संभावनाओं पर भी कार्य किया जाएगा।

आईआईटी भिलाई और सेंट्रेल नैनटेस के बीच यह साझेदारी उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को वैश्विक स्तर पर सीखने, अनुसंधान करने और ज्ञान साझेदारी के नए अवसर प्राप्त होंगे।

बीएसपी में महिला संविदा कर्मियों के लिए नई चेतना कार्यशाला का हुआ आयोजन

स्वास्थ्य, सुरक्षा और अधिकारों पर दिया गया प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग द्वारा महिला संविदा कर्मियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, कल्याण और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को टाउनशिप सविर्सेज विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में नई चेतना जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक प्रभारी (टाउनशिप सविर्सेज विभाग एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) एबी श्रीनिवास ने किया। अपने संबोधन में श्रीनिवास ने महिला संविदा कर्मियों द्वारा भिलाई टाउनशिप की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्य के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है तथा सभी कर्मियों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना चाहिए।

कायर्शाला में महिला स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, कानूनी अधिकार, उचित मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) सुश्री शुभश्री प्रशांत ने महिला स्वास्थ्य, संतुलित पोषण और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, उप प्रबंधक (जनसंपर्क) सुश्री शालिनी चौरसिया ने पॉश अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों और कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकारों की जानकारी दी। श्री राजेश मौर्य ने संविदा कमियों के कानूनी अधिकारों, उचित पारिश्रमिक और श्रम संबंधी प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के समापन सत्र में महाप्रबंधक (टाउनशिप सविर्सेज विभाग-लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी) सुश्री के. सुपर्णा ने योग एवं ध्यान सत्र का संचालन किया, जिसमें महिला कमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कायर्शाला का संचालन उप प्रबंधक (मानव संसाधन, टाउनशिप सविर्सेज विभाग) सुश्री के. संगीता ने किया। कायर्शाला का उद्देश्य महिला संविदा कमियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक बनाकर उनके आत्मविश्वास एवं कार्यस्थल पर सशक्त सहभागिता को बढ़ावा देना था।

विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस : वृद्धजनों के समक्ष उभरती चुनौतियों पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2026 के अवसर पर 15 जून को हेल्पएज इंडिया द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य तथा सामाजिक सुरक्षा के संदर्भ में वृद्धजनों के समक्ष उभरती चुनौतियों पर विशेष रूप से चर्चा कर समुचित समाधान निकालने की पहल की गई। कार्यक्रम में दुर्ग-भिलाई से आइस्कान की राष्ट्रीय संयुक्त सचिव यमला साहू एवं भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए थे।

दो सत्रों में आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं एवं उनके उचित निराकरण हेतु गहन चिंतन किया गया। आरंभ में अतिथियों के स्वागत के पश्चात राज्य प्रमुख शुभांकर बिस्वास ने आयोजन के विषय एवं इसके महत्व पर प्रकाश डाला। प्रथम सत्र में आइस्कान की राष्ट्रीय संयुक्त सचिव श्रीमती यमला साहू, भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, निदान के डायरेक्टर डॉ सुरेश शुक्ला, अनमोल फाउंडेशन के डायरेक्टर संजय शर्मा, सीनियर सिटीजन फोरम रायपुर के अध्यक्ष प्रकाश विशेष अतिथि के रूप मंच पर उपस्थित थे।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विभिन्न रूपों में वरिष्ठ नागरिकों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार पर व्यापक चर्चा की और उसके निराकरण के उपाय बताए। श्रीमती यमला साहू ने कहा कि जनरेशन गैप के कारण आजकल बुजुगी के प्रति अपनापन एवं सम्मान में कमी आई है। घनश्याम देवांगन ने कहा कि पहले और अब की जीवन शैली में बहुत अंतर आया है, जिससे आजकल के बच्चों एवं युवाओं में संस्कार में कमी होने के कारण बुजुगी की उपेक्षा होती है और उन्हें पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। उन्होंने परिवार में संस्कार की अहमियत बढ़ाने पर जोर दिया। मंचासीन सभी अतिथियों ने इस दिशा में समन्वित प्रयास करने, बुजुर्गो की आवश्यकताओं एवं स्वास्थ्य की समुचित देखभाल पर बल दिया।

द्वितीय सत्र में राज्य नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमणियम, उप संचालक, स्वास्थ्य विभाग, छत्तीसगढ़ डॉ स्मृति देवांगन, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), रायपुर सीमा भास्कर, माय एफएम रेडियो जॉकी, अनिमेष मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डॉ. के. सुब्रमणियम, सदस्य, राज्य नीति आयोग, ने अपने मुख्य उद्बोधन में समावेशी विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए "विकसित छत्तीसगढ़ 2047" की परिकल्पना को सामूहिक प्रयासों से साकार करने का आह्वान किया। डॉ. स्मृति देवांगन, उप संचालक, स्वास्थ्य विभाग, छत्तीसगढ़, ने सियान संजीवनी केंद्रों के माध्यम से सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया।

श्रीमती सीमा भास्कर, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), रायपुर, ने वृद्धजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु यातायात नियमों के पालन के महत्व को रेखांकित किया, वहीं अनिमेष मिश्रा, रेडियो जॉकी, माय एफएम, ने सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। हेल्पएज इंडिया के मुख्य कायर्कारी अधिकारी (सीईओ) रोहित प्रसाद ने अपने संदेश में कहा कि "वृद्धजन जलवायु संबंधी आपदाओं से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले वर्गों में से हैं। इन चुनौतियों का प्रभाव केवल शारीरिक जोखिमों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, आय और देखभाल व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। इसलिए, मजबूत सहयोग तंत्र विकसित करने तथा जलवायु एवं सामाजिक सुरक्षा नीतियों में वृद्धावस्था के मुद्दों को समाहित करना अत्यंत आवश्यक है।" इस अवसर पर हेल्पएज इंडिया की राष्ट्रीय रिपोर्ट क्लाइमेट रेजिलिएंट 2026 का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

जलवायु-सक्षम वृद्धावस्था पर राष्ट्रीय अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार है - यह अध्ययन 10 राज्यों के 2,224 वृद्धजनों पर आधारित था। 78 प्रतिशत प्रतिभागियों ने लू, बाढ़ और सूखे जैसी जलवायु आपदाओं का अनुभव किया। 60 प्रतिशत ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के दौरान उनका आवास सुरक्षित नहीं था। 52 प्रतिशत वृद्धजन आवश्यक दवाइयों का खर्च वहन करने में असमर्थ पाए गए। 73 प्रतिशत वृद्धजन देखभाल के लिए अपने परिवार पर निर्भर हैं, जबकि पलायन के कारण पारिवारिक सहयोग तंत्र कमजोर पड़ रहा है। अकेले रहने वाले वृद्धजनों में 38 प्रतिशत पड़ोसियों पर निर्भर हैं, जबकि 16 प्रतिशत को किसी प्रकार की देखभाल उपलब्ध नहीं है। 49 प्रतिशत वृद्धजन पेंशन पर निर्भर हैं तथा 16 प्रतिशत के पास न तो रोजगार है और न ही आय का कोई नियमित स्रोत। केवल 33 प्रतिशत प्रतिभागियों ने समुदाय से निरंतर सहयोग प्राप्त होने की बात कही। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों को हेल्पएज इंडिया की राज्य इकाई की ओर से राज्य प्रमुख शुभारंभ बिस्वास एवं उनकी टीम के सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं पौधे भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से वरिष्ठ नागरिक संघों के प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता दिखाई। प्रथम सत्र का संचालन अजय सिंह एवं द्वितीय सत्र का संचालन शुभांकर बिस्वास ने किया।

सीटों की संख्या को बढ़ाने का सुखद परिणाम : ट्राइबल हॉस्टल के 13 अभ्यर्थियों ने रचा कीर्तिमान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सीटें 50 से बढ़ाकर 200 किए जाने का मिला सकारात्मक परिणाम, कहा– युवा शक्ति की सफलता विकसित छत्तीसगढ़ की नई पहचान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2026 के परिणामों में छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में रहकर तैयारी कर रहे 13 अभ्यर्थियों ने प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। विशेष बात यह है कि इनमें अधिकांश विद्यार्थी जनजातीय, ग्रामीण एवं सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से आते हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी प्रतिभा, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी सफल अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति की प्रतिभा, परिश्रम और अटूट संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर निर्माण के लिए बेहतर अवसर एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इन युवाओं की सफलता प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा देगी।

यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2026 में सफल होने वाले विद्यार्थियों में गौतम कुमार, कुलभूषण सिंह पोया, हरि चंद्र प्रकाश सिंह, मयंक रात्रे, मलिकराम पटेल, आर्यन राठौर, चेतन लाल, हरीश कुमार पटेल, किशन लाल साहू, सत्यनारायण चंद्राकर, सुश्री दीक्षा दिवाकर, विकेश कुर्रे तथा प्रकाश पटेल शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि समाज के वंचित एवं प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नई दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है। इस निर्णय से प्रदेश के दूरस्थ वनांचलों, जनजातीय क्षेत्रों एवं ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को देश की राजधानी में रहकर संघ लोक सेवा आयोग सहित अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर अवसर प्राप्त हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि ट्राइबल यूथ हॉस्टल की स्थापना राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली युवाओं को सिविल सेवा सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। यहां चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, अध्ययन कक्ष, पुस्तकालय, उत्कृष्ट कोचिंग तथा अनुभवी विशेषज्ञों का नियमित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि ट्राइबल यूथ हॉस्टल जैसे संस्थान प्रतिभाओं को पहचान देने और उन्हें उचित दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रारंभिक परीक्षा में सफल ये विद्यार्थी मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रशासनिक सेवाओं में छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएंगे।

आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह सफलता राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए उपलब्ध कराए जा रहे शैक्षणिक अवसरों और मार्गदर्शन व्यवस्था का सकारात्मक परिणाम है। वढरउ सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2026 में 13 अभ्यर्थियों की सफलता ने इस संस्थान की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

खास खबर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने शॉल एवं स्मृति–चिन्ह भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विश्वविख्यात बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भी उन्हें भेंट की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के छत्तीसगढ़ आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने, संसदीय मर्यादाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाने में उनका योगदान प्रेरणादायी है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री बिरला के नेतृत्व और मार्गदर्शन से लोकतांत्रिक संस्थाएं और अधिक सशक्त होंगी तथा लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। सौजन्य मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्धन तथा जनहित से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप तथा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

सऊदी अरब से नागपुर आया छत्तीसगढ़ के 122 हाजियों का पहला जत्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के माध्यम से हजयात्रा पर गए हजयात्रियों की सऊदी अरब से वतन वापसी प्रारंभ हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग ने बताया है कि 18 जून को राज्य के 122 हाजियों की नागपुर सकुशल वापसी हुई है। हाजियों का पहला जत्था आज नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा। श्री बेग ने बताया कि नागपुर एयरपोर्ट पर समस्त हाजियों को 5–5 लीटर मक्का का पवित्र जल श आबे जम–जमश प्रदान किया गया ।

नागपुर एयरपोर्ट पर हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग सहित हज कमेटी के अन्य लोगों ने हाजियों का इस्तेकबाल किया और उनकी गुलपोशी की । सऊदी अरब से स्वदेश वापसी पर समस्त हाजियों के चेहरों पर सुकून और खुशी नजर आई। हाजियों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार द्वारा की गई बेहतर व्यवस्था हेतु आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग, सदस्य मौलाना अमीर बेग, मौलाना हसन अब्बास, हज कमेटी ऑफिस सहायक सैय्यद सलीम उपस्थित रहे।

मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार : ओम बिरला

अहिंसा, करुणा, सत्य और आत्मसंयम के संदेश की आज पूरे विश्व को आवश्यकता : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने जैन मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त कर आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज को नमन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आचार्य पद केवल एक पद नहीं, बल्कि तप, त्याग, ज्ञान और समाज को दिशा देने वाली साधना का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

श्री बिरला ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है। वहीं शतावधानी हंसभद्र मुनि जी महाराज ने अपनी विलक्षण स्मरणशक्ति, ज्ञान और साधना के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है। उनके तप और साधना से समाज को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने कहा कि भौतिक संसाधन केवल सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं, लेकिन जीवन का वास्तविक सुख आत्मनियंत्रण, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक साधना से प्राप्त होता है। जैन संतों का तपस्वी जीवन समाज को प्रेरणा देता है और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने सभी जैन संतों, साध्वियों और श्रद्धालुओं को नमन करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर पहली बार आयोजित हो रहा यह आचार्य पदारोहण महोत्सव प्रदेश के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, साधना और संस्कृति का यह विराट आयोजन पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर बन गया है। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए संत–साध्वियों, श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ धन्य हुआ है और इस आयोजन से पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पद पर पदारोहण उनके ज्ञान, तप, संयम, साधना और समाज के प्रति समर्पित जीवन का सम्मान है। उन्होंने 14 वर्षीय बाल मुनि शतावधानी हंसभद्रमुनि जी महाराज को भी नमन करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में उनकी अद्भुत स्मरणशक्ति, एकाग्रता और ज्ञान–साधना सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। एक साथ हजार प्रश्नों को स्मरण रखना और उनका क्रमवार उत्तर देना असाधारण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज रायपुर का यह इंडोर स्टेडियम ज्ञान, साधना और अध्यात्म का तीर्थस्थल प्रतीत हो रहा है। जैन संतों ने सदैव अहिंसा, करुणा, सत्य और आत्मसंयम का संदेश दिया है, जिसकी आज पूरे विश्व को आवश्यकता है। भगवान महावीर स्वामी का जियो और जीने दो का संदेश वर्तमान समय में और अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक परंपराओं की भूमि है तथा राज्य सरकार सर्वधर्म समभाव की भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जैन मुनिगण कठिन तप, उपवास और संयम के माध्यम से समाज को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने लंबी पदयात्रा और तपस्या के बाद रायपुर पहुंचे साधु–संतों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रदेश के लिए यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है कि इतने बड़े आध्यात्मिक आयोजन में देशभर के संत–साध्वी और श्रद्धालु एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि जैन संतों का त्याग, तपस्या और अनुशासित जीवन समाज को सदैव प्रेरित करता है। विनयकुशल मुनि जी के आचार्य पदारोहण का यह आयोजन लोगों को अध्यात्म और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करेगा।

कार्यक्रम में सकल जैन श्रीसंघ के पदाधिकारी बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विजय बघेल, श्रीमती कमलेश जांगड़े, महेश कश्यप, विधायक राजेश मूणत सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर मिसाल : अरुण साव

"राष्ट्र प्रथम की भावना से करें समाज और देश की सेवा", वीर महाराणा प्रताप जयंती समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत की पुण्य भूमि ने अनेक वीर योद्धाओं और महापुरुषों को जन्म दिया है। वीर योद्धा महाराणा प्रताप ऐसे ही महान सपूत थे, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने स्वाभिमान और राष्ट्र धर्म से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने मुगल सत्ता की दासता स्वीकार नहीं की और हल्दी घाटी के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया। उनका जीवन आज भी समाज और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी में सवीदय राजपूत राठौर क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित वीर महाराणा प्रताप जयंती समारोह में महाराणा प्रताप की राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और साहस को नमन करते हुए ये बातें कही। उन्होंने समारोह में महाराणा प्रताप की अष्टधातु प्रतिमा के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र राष्ट्र प्रथम हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। भारत त्याग और बलिदान की भूमि है। इसकी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। धर्म और मातृभूमि की रक्षा के लिए समाज को संगठित रहना होगा। राजपूत समाज शिक्षा, खेल, सरकारी सेवाओं और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। युवाओं को महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजपूत समाज के शिक्षकों, डॉक्टरों, खेल प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों, पूर्व सैनिकों, समाजसेवियों, गौसेवकों तथा कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में 55 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। श्री साव ने इन रक्तवीरों को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, राजपूत समाज लोरमी के अध्यक्ष भीषम सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष राम निवास राजपूत, सर्व क्षत्रिय राजपूत महासंघ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह, लोरमी जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा और रतनपुर नगर पालिका के अध्यक्ष लवकुश कश्यप सहित राजपूत समाज के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष ऐतिहासिक, देश को मिली नई दशा और दिशा : राजस्व मंत्री वर्मा

बलौदाबाजार में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का समापन ; मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा नगर भवन बलौदाबाजार में आयोजित तीन दिवसीय भव्य फोटो प्रदर्शनी का गुरुवार को समापन हो गया। प्रदर्शनी के अंतिम दिन प्रदेश के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने इसका आत्मीय अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की लोक–कल्याणकारी योजनाओं और देश की प्रगति को दर्शाती तस्वीरों की जमकर सराहना की।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल को 'ऐतिहासिक' करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने अधोसंरचना विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर) से लेकर आर्थिक और तकनीकी सहित हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन योजनाओं ने देश को एक नई दशा और दिशा दी है। आज छत्तीसगढ़ के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का सीधा लाभ पहुँच रहा है।

तस्वीरों में दिखी सशक्त भारत की झलक : प्रदर्शनी में विभिन्न आयामों और चित्रों के माध्यम से देश व राज्य के विकास कार्यों को बेहद आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जबकि एलईडी स्क्रीन्स के जरिए लोगों को शासकीय योजनाओं की डिजिटल जानकारी दी गई। इस तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी में बदलते और सशक्त होते भारत की एक बेहद गौरवशाली तस्वीर उभरकर सामने आई। प्रदर्शनी का एक बड़ा हिस्सा देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को समर्पित रहा, जहाँ 'हम बनाते हैं स्वदेशी हथियार' अभियान के तहत करीब 38,400 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड तोड़ रक्षा निर्यात (डिफेंस एक्सपोर्ट) की ऐतिहासिक सफलता को बड़े ही प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। सुरक्षा के साथ–साथ 'गरीब कल्याण' को रेखांकित करती तस्वीरों ने भी लोगों का ध्यान खींचा, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देश भर में बने 4 करोड़ पक्के मकानों, स्वच्छ शौचालय, मुफ्त राशन और आयुष्मान कार्ड जैसी बुनियादी सुविधाओं के जरिए गरीबों के जीवन में आए बदलाव की पूरी कहानी बयां की गई थी।

देश की तरक्की को रफ्तार देने वाली 'इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति' प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण : देश की तरक्की को रफ्तार देने वाली 'इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति' भी इस प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण रही। यहाँ विश्व के सबसे ऊंचे 'चिनाब रेलवे ब्रिज' और समंदर के सीने पर बने आधुनिक 'अटल सेतु' के चमत्कृत कर देने वाले दृश्यों के साथ–साथ, 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक फैले राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क और पटरियों पर दौड़ने को तैयार 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों' की आधुनिकता से लोगों को रूबरू कराया गया।

साइंस व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम : विकास की इस महागाथा में आधी आबादी और युवाओं की भागीदारी को भी प्रमुखता से दिखाया गया, जहाँ 'लखपति दीदी' योजना के तहत 3 करोड़ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के बड़े लक्ष्य और डिजिटल अभियान के जरिए युवा शक्ति को नई दिशा देने के प्रयासों को खूबसूरती से उकेरा गया। अंत में, आस्था और आधुनिक तकनीक का एक अनूठा संगम भी यहाँ देखने को मिला, जहाँ एक तरफ अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर की अलौकिक झलक थी, तो दूसरी तरफ साइंस व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम और 'सेमीकंडक्टर चिप' निर्माण जैसी भविष्यवादी और क्रांतिकारी उपलब्धियों का गौरव गान था। फोटो प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान मंत्री टंक राम वर्मा के साथ कलेक्टर कुलदीप शर्मा, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और आमजन उपस्थित थे।

संपादकीय

सीधी अंगुली से घी नहीं निकलता है तो टेड़ी करनी पड़ती है

राजनीति में सफल वही माना जाता है जो तय कर ले यह काम करना है और किसी भी तरीके से करना है और करने में सफल होता भी है ।देश हित में कोई काम सहयोग मांगने से होता है तो समझदार नेता सहयोग मांगता है और मांगने पर जब सहयोग नहीं मिलता है तो उसे पता है कि देशहित के लिए काम के लिए दूसरे तरीके से कैसे सहयोग जुटाया जा सकता है । संसद के पिछले सत्र में पीएम मोदी महिला आरक्षण व डिलिमिटेशन विधेयक को पास कराने के लिए कांग्रेस सहित सभी दलों से सहयोग की अपील की थी,यह कहने पर कि इसका श्रेय तो सरकार को मिलेगा,पीएम मोदी ने कहा था कि वह इसका श्रेय विपक्ष के नेताओं को देने को तैयार है,फिर भी विपक्ष ने विधेयक के विरोध में मत दिया और महिला आरक्षण व डिलिमिटेशन विधेयक संसद में पारित नहीं हो सका ।तब राहुल गांधी सहित विपक्ष के नेता बहुत खुश हुए थे कि संसद के भीतर उन्होंने मोदी को हरा दिया । पीएम मोदी ने अगर महिलाओं से वादा किया है कि उनको संसद में आरक्षण दिया जाएगा तो वह इसे पूरा करके दिखाएंगे भी । क्योंकि मोदी जो वादा करते हैं, उसे पूरा भी करते हैं । भले ही उसमें कुछ वक्त लग जाए ।

संसद के पिछल सत्र में पीएम मोदी आरक्षण व डिलिमिटेशन विधेयक को संख्या बल नहीं होने के कारण पास नहीं करवा पाए थे और देश की महिलाओं को बता दिया था कि सरकार तो चाहती है कि महिलाओं को संसद में आरक्षण मिले, संसद में सीटों की संख्या बढ़े ताकि महिलाओं को आरक्षण भी मिल सके और पुरुष सांसदों की सीटें भी कम न हों । मोदी सरकार को महिला आरक्षण व डिलिमिटेशन विधेयक पारित कराने के लिए संख्या बल बढ़ाना होगा । सहयोग से यह संख्या बल बढ़ा नहीं तो अब मोदी सरकार कूटनीति से यह संख्या बल बढ़ाने का प्रयास कर रही है । संसद में सीधी अंगुली से घी नहीं निकला तो अब अंगुली टेड़ी कर घी निकाला जा रहा है । यह काम मोदी सरकार करना नहीं चाहती थी लेकिन विपक्ष ने स्थिति ही ऐसी बना दी है कि अंगुली टेड़ी करनी पड़ रही है क्योंकि कई डिब्बों से घी निकाला जरूरी हो गया है । अहंकारी नेताओं को बताना जरूरी हो गया था कि तुम्हारी औकात नहीं है कि जब हम अंगुली टेड़ी करेंगे तो तुम घी निकालने से रोक सको ।

सबसे पहले मोदी सरकार ने पं.बंगाल में ममता दीदी का घमंड तोड़ा ।वह खुद को मोदी को हराने वाला बताकर खुश होती है और बताती थी कि ऐसा कोई नहीं देश में जो मोदी को उनके समान हरा सके ।वह मोदी को हराती रही तो कोई फर्क नहीं पड़ा लेकिन इसबार पीएम मोदी ने ममता को हराया तो बहुत फर्क पड़ गया है । ममता खुद चुनाव हारी है, उनकी पार्टी चुनाव हारी और उनके जितने विधायक चुने गए उसमें से आधे से ज्यादा उससे अलग हो गए है, जितने सांसद थे उनमें से भी ज्यादातर ममता से अलग हो गए हैं । यानी विपक्ष जिस संख्या बल का घमंड कर रहा था, वह संख्या बल अब मोदी सरकार ने कम करना शुरू कर दिया है ।पं. बंगाल की शेरनी ममता को भाजपा ने हराकर बिल्ली बना दिया है । वह अब कुछ करना चाहकर भी कुछ नहीं कर सकती । उसके बीस सांसदों ने संसद में भाजपा का समर्थन करने का फैसला किया है । इससे भाजपा के पास बीस सासंद बढ़ गए हैं । सात राज्यसभा सांसद आप से अलग होकर भाजपा के पक्ष में पहले आ गए है । इससे राज्यसभा में भाजपा का संख्या बल बढ़ा है ।

अभी भाजपा को अपने बिल संसद में पास कराने के लिए और सासंदों की जरूरत है ।जहां जहां से सासंद तोड़े जा सकते हैं, उनको तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है । शिवसेना उध्दव गुट के पास 9 सांसद है, आपरेशन टाइगर चलाकर इनको शिंदे गुट में शामिल करने की योजना पर महीनों से काम चल रहा था,पहले से तोड़कर अपने पाले में लाने की जरूरत नहीं थी इसलिए ठीक संसद सत्र के पहले 9 में से 6 सांसदों को तोड़ लिया गया है । वह शिवसेना उध्दव गुट से अलग हो गए हैं और लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अलग गुट का दर्जा देने को कहा है । भाजपा ने महाराष्ट्र में शिवसेना को दूसरी बार तोडा.है क्योंकि उध्दव ठाकरे को भी बड़ा घमंड था कि वह महाराष्ट्र मे शाह व मोदी से बड़े नेता हैं । आज उनको एहसास हो रहा होगा कि बड़े नेता तो शाह व मोदी है क्योंकि वह जो चाहते हैं वह कर लेते हैं । शाह के बार में कहा जाता है कि वह अपना और पार्टी का अपमान नहीं भूलते है और धोखा देने वाले को ऐसी सजा देते हैं कि वह जिंदगी भर याद करता है कि उसने शाह को धोखा दिया था और उसकी उसे यह सजा मिली है ।

डीएमके कांग्रेस से नाराज है,डीएमके को भाजपा सरकार का सहयोग करने के लिए मनाने का प्रयास किया जाएगा । बाकी दलों से भी सहयोग जुटाने का प्रयास किया जाएगा । अभी वक्त है कई दलों के सासंद बाकी हैं, उनको अपने पाले में लाने का प्रयास जारी है ।जो टूट सकते हैं, उनको तोड़ा जाएगा जो सहयोग देने को राजी हो जाते हैं, उनका सहयोग लिया जाएगा और पिछले संसद सत्र में जो काम पूरा नहीं हो सका था उसे इस सत्र मे पूरा करने का प्रयास किया जाएगा । कांग्रेस इस बात को समझ रही है यही वजह है कि कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि यह पूरा घटनाक्रम लोकसभा में एनडीए के लिए दो तिहाई बहुमत सुनिश्चित करने की व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। अब कांग्रेस आरोप लगाते रहे कि लोकतांत्रिक परंपरा व संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी की जा रही है । देखा जाए तो इसके लिए कांग्रेस भी तो दोषी है । महिला आरक्षण बिल पास कराने कांग्रेस व विपक्ष ने मोदी सरकार को सहयोग किया होता तो आज मोदी सरकार को वह सब नहीं करना पड़ता जो न चाहकर भी करना पड़ रहा है । अब विपक्ष संख्या बल बढ़ाने के लिए मोदी सरकार की कितनी भी आलोचना करे ।मोदी सरकार पिछले संसद सत्र में जो काम नहीं कर पाई थी, उसे इस बार पूरा करने कटिबध्द है ।

पीएम मोदी व शाह जब कोई लक्ष्य तय कर लेते हैं और यह तय कर लेते हैं कि उसे कब तक पूरा करना है तो इसके रास्ते में आने वाली बाधाओं की पूरी जानकारी उनके पास होती है । उन बाधाओं को पार करने अपने लक्ष्य तक कैसे पहुंचना है, उसका पूरा रोड मैप उनके पास होता है । पीएम मोदी से पहले तो सही रास्ते से सभी के सहयोग से महिला आरक्षण व डिलिमिलिटेशन का प्रयास किया । वह जानते थे कि विपक्ष सहयोग नहीं करेगा फिर भी उन्होंने सहयोग मांगा ताकि जब बिना विपक्ष के सहयोग से इस काम को पूरा किया जाए तो विपक्ष के पास कहने को कुछ न बचे और काम का पूरा श्रेय मोदी सरकार को मिले और उसका पूरा राजनीतिक लाभ 2029 के लोकसभा चुनाव में मिले । राहुल गांधी कहते हैं कि जिम्मेदारी और ईमानदारी मोदी सरकार की सोच से परे हैं तो पीएम मोदी अगले चुनाव में राहुल गांधी को बताएंगे कि ईमानदारी व जिम्मेदारी के कारण वह चौथी बार पीएम बने हैं और राहुल गांधी न ईमानदार हैं और न ही जिम्मेदार है इसलिए जनता ने उनको चौथी बार नकार दिया है ।

ई-कचरे के समाधान की दिशा में बड़ी उपलब्धि

प्रमोद भार्गव

भारत ही नहीं दुनिया ई-कचरे के निस्तारण की समस्या से जूझ रही है । ऐसे में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधकर्ताओं ने मेक इन इंडिया के अंतर्गत एक स्वदेशी प्रायोगिक संयंत्र विकसित किया है । यह प्रतिवर्ष 100 टन इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट का प्रसंस्करण करने की क्षमता रखता है । यह प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) के उपचार के लिए डिजाइन किया गया है । इसे भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के तिरुचिरापल्ली में स्थित परिसर में स्थापित किया गया है । पीसीबी इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट सबसे अधिक खतरनाक और धातुओं से भरपूर घटकों में से एक हैं । इनमें तांबा, सीसा और टिन जैसी धातुएं पर्याप्त मात्रा में होती हैं ।

यदि इस कचरे का उचित प्रबंधन नहीं किया जाए तो ये धातुएं मिट्टी और भू-जल में रिसकर लंबे समय तक पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है । ऐसे समय में जब भारत हर वर्श लगभग 50 लाख मीट्रिक टन ई-कचरा पैदा कर रहा हो, तब आईआईटी मद्रास के षोधार्थियों की यह उपलब्धि बहुत बड़ी है । क्योंकि यह अनुपयोगी हुए ई-उपकरणों से मिट्टी पानी या वायु को प्रदूशित किए बिना मूलवान धातुएं निकाल कर उन्हें पुनः उपयोग के लायक बना देता है ।

आआईटी मद्रास के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक एस पुश्पावनम और वाईबीजी वर्मा का कहना है कि भारत में ई-कचरे की चुनौती बढ़ने के साथ यह संयंत्र साफ-सुथरे तरीके से धातु निकालने के लिए एक ऐसा मॉडल है, जिसे आसानी से बड़े पैमाने पर लागू किया जा सकता है । यह काम मेक इन इंडिया सर्कुलर इकोनॉमी और जरूरी खनिजों की सुरक्षा के लक्ष्यों के अनुरूप है । यह अकादमिक अनुसंधान को प्रौद्योगिकी विकास में बदलने का दुर्लभ उदाहरण है । इस प्रक्रिया को एकमात्र अम्ल के प्रयोग से संपन्न कर लिया जाता है । इसमें उच्च स्तरीय सुरक्षा के स्वचालित उपाय किए गए हैं । यह संयंत्र पूरी तरह भारतीय कंपनियों द्वारा निर्मित है । यह संयंत्र भारत और एषियाई देषों के लिए इसलिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि पर्यावरण पर वैष्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था बासेल एक्षन नेटवर्क (बीएएन) की रिपोर्ट में जानकारी दी है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रोनिक सामग्री कई देषों में ठिकाने लगाने की दृश्टि से भेजी जा रही है । जिनमें से अधिकांष दक्षिण-पूर्व एषिया के विकासषील देष हैं ।

इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं । बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक कचरे को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही है । इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है । रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं हैं । फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में लगे हुए हैं ।

अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा । वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है । इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण षामिल हैं । इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विशाक्त हैं । जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किए जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है । इस नजरिये से भारत में निर्मित यह संयंत्र अत्यंत उपयोगी है । भविश्य में इसके निर्यात से भारत विदेषी पूंजी भी कमाएगा ।

संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान षाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते है कि वैष्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया । 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान है । रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है । इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है । ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देषों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं । यह कचरा लगातार एषियाई देषों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल, वायु और पृथ्वी को प्रदूशित कर रहा है । इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है । इनसे उत्पन जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूशित करता है । इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं ।

यहां काम करने वाले मजदूर अकसर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं । इस प्रक्रिया से विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है । बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को है जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो । लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं । यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है ।

आज ई-कचरा,जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी षामिल हैं,नश्ट करना भारत समेत दुनिया के देषों के लिए मुष्किल हो रहा है । इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं । जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है,जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है । हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है । औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है । इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं ।

इन धातुओं को अलग करने की प्रक्रिया में हाथों से छंटाई, चुंबक षक्ति से विलगीकरण, विद्युत-विच्छेदन, सेंट्रीफ्यूजन और उलट ऑस्मोसिस जैसी तकनीकें षामिल हैं । लेकिन ये तरीके मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाले हैं, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है । इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लिंचिंग प्रोसेस ;बायो लिंचिंग का प्रयोग करते हैं । इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है । बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है । बायो-लिंचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं । हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है । इस हेतु जीवाणुओं की बेसिलस प्रजातियां मसलन सेक्रोमाइसिस सेरेविसी, यारोविया लिपॉलिटिका प्रयोग में लाई जाती हैं ।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विशेषज्ञों का मानना है कि औसतन एक स्माटफीन में 30 मिलीग्राम सोना होता है । यह फोन के सर्किट बोर्ड और इंटरनल कंपोनेंट्स में होता है । एपल ऐसे लाखों आईफोन और कंप्यूटर की रीसाइक्लिंग करता है,जिनमें सोना होता है । एपल अपने निगरानी एडिशन को पुनर्चक्रित भी करता है । इनमें 18 कैरेट की गुणवत्ता वाले तकरीबन 50 ग्राम सोने का इस्तेमाल होता है । साफ है,समस्या बने ई-कचरे को यदि पुनर्चक्रित करने के संयंत्र बड़ी संख्या में लगाए जाते हैं तो बड़े पैमाने पर युवा तकनीकियों को रोजगार तो मिलेगा ही, विकासषील और गरीब देष बड़े स्तर पर इस कचरे को नश्ट करने के झंझट से भी मुक्त हो जाएंगे । इसलिए इस कचरे को जो कंपनियां जिन देषों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण के लिए आईआईटी मद्रास द्वारा निर्मित संयंत्रों को निर्यात भी करने का रास्ता भविश्य में भी खुल जाएगा ।

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है । विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं । शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है ? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है । यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है । महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है । वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं । इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके ।

तेरापंथ धमर्संघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है । इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है । तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है । यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है । यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है । आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था । उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया । उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है । उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया । उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था । लाखों विद्याथियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की ।

आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया । उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया । जीवन विज्ञान ने विद्याथियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की । आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं । आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है । उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है । उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती । उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा । इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं ।

आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-ज्ञान, मूल्य और चरित्र है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है । आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है । परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं । आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा । यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है । भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है । नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है । किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं । आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं । यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है ।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है । इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है । नाहटा का विश्वास है कि आने वाले समय में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा । कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीक के युग में मशीनें अनेक कार्य कर सकेंगी, लेकिन करुणा, संवेदनशीलता, नैतिक निर्णय, मानवीय संबंध और आत्मिक संतुलन जैसे गुण केवल मनुष्य ही विकसित कर सकता है । इसलिए शिक्षा को मस्तिष्क के साथ-साथ हृदय और आत्मा को भी शिक्षित करना होगा । महेंद्र नाहटा का यह विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ये विद्यालय भारत की नई शिक्षा नीति को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध करने का माध्यम बन सकते हैं । यहां आध्यात्मिकता का अर्थ किसी धार्मिक संकीणर्ता से नहीं है, बल्कि आत्म-जागरूकता, नैतिकता, सहिष्णुता, मानवीय एकता और आंतरिक संतुलन से है । यह दृष्टिकोण आज के वैश्विक समाज की भी आवश्यकता है, क्योंकि विश्व के अनेक विकसित देशों में शिक्षा सुधार की चर्चाओं का केंद्र मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और मूल्य आधारित जीवन बनता जा रहा है ।

आज शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह विद्याथियों को सफल तो बना रही है, लेकिन संतुष्ट नहीं; बुद्धिमान तो बना रही है, लेकिन संवेदनशील नहीं; सक्षम तो बना रही है, लेकिन चरित्रवान नहीं । परिणामस्वरूप समाज में तनाव, अवसाद, हिंसा, असहिष्णुता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं । ऐसे समय में शिक्षा के ऐसे मॉडल की आवश्यकता है जो मनुष्य को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करे । जो उसे केवल करियर नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य भी प्रदान करे । जो उसे केवल कमाना नहीं, बल्कि जीना भी सिखाए । आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं । यहां विज्ञान और अध्यात्म, आधुनिकता और संस्कृति, तकनीक और नैतिकता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग, सफलता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा । यह दृष्टिकोण भविष्य की शिक्षा का आधार बन सकता है । दुनिया भर में आज ऐसी शिक्षा की खोज हो रही है जो विद्याथियों को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान और उत्तरदायी नागरिक भी बना सके । भारतीय शिक्षा परंपरा सदियों से इसी आदर्श की पक्षधर रही है । प्राचीन गुरुकुलों से लेकर आधुनिक आध्यात्मिक चिंतन तक, भारतीय दृष्टि ने शिक्षा को मनुष्य के समग्र विकास का माध्यम माना है ।

यदि आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूलों की यह योजना अपने निर्धारित स्वरूप में विकसित होकर आगे बढ़ती है, तो यह केवल भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए नहीं, बल्कि विश्व शिक्षा जगत के लिए भी एक प्रेरक मॉडल सिद्ध हो सकती है । जिस प्रकार कुछ देशों ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, उसी प्रकार भारत मूल्य-आधारित समग्र शिक्षा का वैश्विक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है । यह मॉडल बताएगा कि शिक्षा केवल ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि जीवन का निर्माण है; केवल सूचना का विस्तार नहीं, बल्कि चेतना का विकास है; केवल करियर की तैयारी नहीं, बल्कि चरित्र की साधना है । कवास्तव में आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूलों की स्थापना को केवल एक शैक्षणिक परियोजना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए । यह आचार्य तुलसी के अणुव्रत आंदोलन, आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन विज्ञान और आचार्य महाश्रमण की अहिंसामूलक एवं मानवीय दृष्टि का सृजनात्मक विस्तार है । यह शिक्षा को पुनः उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का प्रयास है । यह एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना है जहां विद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं होंगे, बल्कि मानवता के श्रेष्ठ भविष्य का निर्माण करने वाले केंद्र होंगे । यदि यह सपना साकार होता है तो न केवल भारत की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी, बल्कि विश्व को भी शिक्षा का एक ऐसा मानवीय, नैतिक और आध्यात्मिक मॉडल प्राप्त होगा जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक बुद्धिमान, अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । यही इस महान योजना का वास्तविक महत्व, उद्देश्य और भविष्य है ।

पॉलीग्राफी परीक्षण : न्याय के तराजू पर मशीनों की लाचारी

डॉ. सुधीर कुमार

न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए हमें फॉरेंसिक मनोविज्ञान और व्यवहार विश्लेषण पर अधिक निवेश करने की आवश्यकता है । जब जांच में मशीनी डेटा के साथ अनुभवी मनोवैज्ञानिक का विवेक जुड़ता है, तभी परिणाम अधिक विश्वसनीय, तकर्संगत और मानवीय होते हैं । हाल ही में चर्चित हस्तियों और मीडिया जगत में नार्को टेस्ट की मांग को लेकर छिड़ी बहस ने तकनीक की विश्वसनीयता पर फिर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है । रौशन आनंद द्वारा खान सर (उर्फ फैजल खान) के संदर्भ में की गई नाकी टेस्ट की मांग, जन-मानस के उस भ्रम को दर्शाती है कि तकनीक ही अपराध का अंतिम समाधान है । लेकिन, न्याय के तराजू पर क्या मशीनें वास्तव में मानवीय सत्य को तोलने में सक्षम हैं ?

हाल के वर्षों में निचली अदालतों ने हाई-प्रोफाइल मामलों में पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति देने में अत्यधिक सावधानी बरती है, जिसमें श्रद्धा वाकर हत्याकांड भी चर्चा का विषय रहा । कानूनी जानकारों और अदालतों का स्पष्ट मत है कि पॉलीग्राफ से प्राप्त मशीनी डेटा साक्ष्य नहीं, बल्कि केवल जांच को दिशा देने वाली सहायक सामग्री है । भारत के आरुषि तलवार हत्याकांड ने यह सिद्ध किया कि ऐसे परीक्षण वैज्ञानिक रूप से निर्णायक नहीं होते और इनके विरोधाभासी परिणाम जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं । सच कड़वा होता है, लेकिन झूठ का नकाब ओढ़ना आसान है । अक्सर पॉलीग्राफ को झूठ पकड़ने का अचूक हथियार माना जाता है, जबकि कानून और मनोविज्ञान के नजरिए से यह अत्यंत विवादास्पद है । मनोविज्ञान के अनुसार झूठ पकड़ना विज्ञान नहीं बल्कि एक कला है; फिल्मों में पसीना आना या नजरें चुराना झूठ की निशानी माना जाता है, पर असल जीवन में यह घातक हो सकता है । मनोविज्ञान में इसे ओथेलो एरर कहा जाता है - जहां एक निदोष व्यक्ति का स्वाभाविक डर, पसीना आना या घबराहट जांचकर्ताओं को झूठ का प्रमाण प्रतीत होता है । याद रहे, मशीनें केवल शारीरिक तनाव को मापती हैं, मानवीय संवेदनाओं या सत्य को नहीं । कॉग्निटिव लोड की पहचान केवल एक प्रशिक्षित विशेषज्ञ का काम है, किसी जादुई मशीन का नहीं । ठीक यही स्थिति पूछताछ के दौरान होती है; एक निदोष व्यक्ति भी पुलिस के माहौल, पूछताछ के दबाव या अपनी प्रतिष्ठा खोने के डर से घबरा सकता है, पसीना छोड़ सकता है या उसकी हृदय गति बढ़ सकती है ।

संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्ड्रिच एम्स (सीआईए अधिकारी एवं सोवियत जासूस) और ह्यबीटीके किलरह्ल (डेनिस राडर) जैसे मामले यह स्पष्ट करते हैं कि पॉलीग्राफ परीक्षण पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं । एल्ड्रिच एम्स जैसे जासूसों ने तनाव नियंत्रित कर पॉलीग्राफ को वर्षों तक छला, जबकि बीटीके किलर जैसे अपराधियों को डीएनए और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे ठोस साक्ष्यों ने ही बेनकाब किया । स्पष्ट है कि पॉलीग्राफ केवल एक संभावना जता सकता है, निश्चितता नहीं । प्रशिक्षित अपराधी अपनी शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर काबू पाकर इन मशीनों को आसानी से विफल कर सकते हैं, अतः ये तकनीकें कभी भी सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हो सकतीं ।

सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पॉलीग्राफ, नाकी-एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग जैसे परीक्षण व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किए जा सकते । कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत प्राप्त आत्म-दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार का उल्लंघन माना है । इस मौलिक अधिकार का अर्थ है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाह बनने या खुद को दोषी ठहराने वाले बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता । कानूनन इन परीक्षणों के परिणाम सीधे साक्ष्य नहीं माने जा सकते; इन्हें केवल जांच में दिशा देने वाले एक सुराग के रूप में ही इस्तेमाल किया जा सकता है; विशेषकर डिजिटल युग में, जहां व्यक्तिगत डेटा और मस्तिष्क की निजता पर बड़ा संकट है, नाकी-एनालिसिस जैसे परीक्षणों को विज्ञान की आड़ में अनैतिक प्रयोग बनने से रोकना, न्यायपालिका की सवोपरि जिम्मेदारी है ।

कनाडा के सुप्रीम कोर्ट ने इसे भ्रमित करने वाला मानकर खारिज किया है, तो इस्राइल में इसे दीवानी मामलों में अमान्य करार दिया गया है । यूरोप में इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जाता है, जबकि अमेरिका और जापान जैसे देशों में इसकी भूमिका बेहद सीमित है । वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इन परीक्षणों में वैधता का अभाव है, जिसके कारण इन्हें अक्सर छ विज्ञान की श्रेणी में रखा जाता है । पॉलीग्राफ मशीनों की बड़ी सीमा यह है कि वे सच नहीं, केवल हृदय गति जैसे शारीरिक तनाव को मापती हैं, जिसका कारण घबराहट या पुरानी यादें भी हो सकती हैं । यह एक फॉल्ट डिटेक्टर है, न कि ट्रुथ डिटेक्टर, क्योंकि प्रशिक्षित अपराधी आसानी से अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित कर इसे विफल कर सकते हैं । अतः वैज्ञानिक और कानूनी दृष्टि से ये मशीनें सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हैं; इसके विपरीत, एक अनुभवी विशेषज्ञ ही अपराधी के उन सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक संकेतों और व्यावहारिक बारीकियों को पकड़ सकता है, जिन्हें छिपाना लगभग असंभव होता है ।

राम मंदिर चढ़ावे और संपत्तियों पर उठे सवाल, पीएमओ ने मांगी रिपोर्ट

राम मंदिर चढ़ावे और संपत्तियों पर उठे सवाल, पीएमओ ने मांगी रिपोर्ट

नई दृष्टिबिंदु / अयोध्या

राम मंदिर ट्रस्ट और मंदिर में आने वाले चढ़ावे को लेकर लगाए गए आरोपों ने सियासी और धार्मिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के सोशल मीडिया पोस्ट और भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह द्वारा प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र के बाद मामला सुर्खियों में आया। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

कर्मचारियों की संपत्ति पर सवाल

आरोपों के मुताबिक रामलला मंदिर में आने वाले नकद चढ़ावे की गिनती के लिए एक विशेष टीम काम करती है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि इस प्रक्रिया से जुड़े कुछ कमर्चारियों की आर्थिक स्थिति पिछले कुछ वर्षों में अचानक मजबूत हुई है। आरोप है कि सीमित वेतन पाने वाले कुछ कमर्चारियों ने करोड़ों रुपये की संपत्तियां और जमीनें अर्जित की हैं।

मामले में टिन्नू यादव उर्फ रमाशंकर का नाम भी सामने आया है। आरोप लगाने वालों का दावा है कि कुछ वर्षों पहले सामान्य जीवन जीने वाले टिन्नू यादव ने अब बड़ी मात्रा में संपत्ति अर्जित कर ली है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी तरह के.डी. तिवारी सहित अन्य कमर्चारियों के नाम भी शिकायतों में शामिल किए गए हैं। आरोप है कि इन लोगों की संपत्ति उनकी घोषित आय की तुलना में काफी अधिक है।

पूर्व लेखा प्रभारी के गंभीर आरोप

मंदिर के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने दावा किया है कि उन्होंने वर्ष 2021 में नकदी गिनती और बैंकिंग प्रक्रिया में अनियमितताएं देखी थीं। उनका आरोप है कि शिकायत करने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। महिपाल सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर परिसर की कुछ महत्वपूर्ण सीसीटीवी रिकॉर्डिंग बाद में डिलीट कर दी गई थीं। हालांकि इन आरोपों पर संबंधित पक्षों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

नृपेंद्र मिश्र और विनय कटियार के बयानों से बढ़ी चर्चा

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र द्वारा कथित तौर पर सीसीटीवी बैकअप को लेकर दिए गए बयान के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ नेता विनय कटियार ने भी सार्वजनिक रूप से वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं।

1250 पूजित शिलाएं और सोने के मुकुट का विवाद

पूर्व कारसेवक संतोष दुबे ने आरोप लगाया है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान देश-विदेश से आई 1250 पूजित शिलाएं अब अपने मूल स्थान पर नहीं हैं। उन्होंने इसकी जवाबदेही तय करने की मांग की है। इसके अलावा कुछ लोगों ने पूर्व में मंदिर से जुड़े सोने के मुकुटों के गायब होने और बाद में बरामद होने का भी दावा किया है। इन मामलों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

वित्तीय रिकॉर्ड पर प्रश्न

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और संभावित चढ़ावे की तुलना में आधिकारिक वित्तीय आंकड़ों में बड़ा अंतर दिखाई देता है। इसी आधार पर स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

एसआईटी जांच पर भी सवाल

उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है। हालांकि कुछ संतों और धार्मिक संगठनों का कहना है कि जांच प्रक्रिया को और अधिक निष्पक्ष बनाने के लिए इसमें किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश को भी शामिल किया जाना चाहिए।

फिलहाल पूरे मामले में लगाए गए अधिकांश आरोप जांच के दायरे में हैं। संबंधित पक्षों की ओर से कई आरोपों का खंडन भी किया गया है। जांच पूरी होने और आधिकारिक रिपोर्ट सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है।

खास खबर

बीएसपी में पाचन तंत्र रोगों पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, अपोलो के डॉ. सिंघल ने दिए टिप्स

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

समय पर पहचान से बच सकते हैं गंभीर रोग, 100 से अधिक कर्मियों ने लिया हिस्सा

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कमिर्यो के लिए 17 जून को मानव संसाधन विकास केंद्र के सम्मेलन कक्ष में पाचन तंत्र रोगों के चेतावनी संकेत विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य रोगों की प्रारंभिक पहचान और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

डॉ. दिनेश सिंघल ने बताए बचाव के उपाय : सत्र में नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल सर्जन डॉ. दिनेश सिंघल मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने पाचन तंत्र से जुड़े रोगों के प्रारंभिक लक्षण, जोखिम कारक, समय पर जांच और उपचार की जरूरत पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सिंघल ने कहा कि कई गंभीर जठरांत्र रोगों की समय रहते पहचान और इलाज से बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिल सकते हैं। संतुलित जीवनशैली भी बेहद जरूरी है।

100 से अधिक कर्मियों ने की शिरकत : महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन जे. एन. ठाकुर के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में बीएसपी के विभिन्न विभागों के 100 से अधिक कर्मचारी और सेवानिवृत्त कर्मियों ने हिस्सा लिया। संवादात्मक सत्र में प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य संबंधी सवाल पूछे जिनका विशेषज्ञ ने विस्तार से जवाब दिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन सुश्री प्रियंका मीणा ने किया। आयोजन में सहायक प्रबंधक सीजीएम-एचआर सचिवालय मिहिर मनोहर का विशेष योगदान रहा।

बीएसपी में कोक ओवन विभाग के चार ठेका श्रमिक सुरक्षा मानकों के पालन पर सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में केंद्रीय सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग की महाप्रबंधक श्रीमती पुष्पा एम्ब्रोस ने कोक ओवन विभाग के चार ठेका श्रमिकों को सम्मानित किया। इन श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रक्रियाओं और निर्धारित मानकों का उत्कृष्ट अनुपालन करने के लिए सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में कोक ओवन विभाग के उप महाप्रबंधक एसएस मेश्राम भी उपस्थित रहे। इस दौरान सुरक्षा के प्रति सजगता, अनुशासन और जिम्मेदार कार्य व्यवहार के महत्व पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा केवल नियमों के अनुपालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक कमर्चारी और श्रमिक की कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि सहकर्मियों और समग्र कार्यस्थल को भी सुरक्षित बनाता है। इस अवसर पर सम्मानित श्रमिकों की सराहना करते हुए उन्हें अन्य कमिर्यो के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। साथ ही सभी कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों से सुरक्षा मानकों का निरंतर पालन करते हुए शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया।

आईटी एक्ट के तहत जोड़ा जाएं धाराएं : राकेश ठाकुर

फर्जी एवं फोटोशॉप सामग्री फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग, एसएसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई शहर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के संयुक्त नेतृत्व में आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर को ज्ञापन सौंपकर सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल के संबंध में फर्जी, भ्रामक एवं फोटोशॉप सामग्री प्रसारित करने वाले कथित पत्रकारों एवं यूट्यूबरों के विरुद्ध निष्पक्ष, प्रभावी एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से सुनियोजित तरीके से झूठी एवं भ्रामक सामग्री प्रसारित कर न केवल किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि समाज में भ्रम फैलाकर लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित किया जा रहा है। ऐसे मामलों में केवल भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 353(2) के तहत अपराध दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं को भी जोड़ा जाना आवश्यक है।

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि पूरे प्रकरण की वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में साइबर एवं तकनीकी जांच कराई जाए, फर्जी सामग्री तैयार करने, संपादित करने और प्रसारित करने वाले सभी व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही पूर्व में इसी प्रकार की शिकायतों में हुई कार्रवाई अथवा लापरवाही की भी जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई है।

ज्ञापन में यह भी आग्रह किया गया है कि जांच पूरी होने तक सभी डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए ताकि निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित हो सके। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने स्पष्ट कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन फर्जी एवं भ्रामक सामग्री बनाकर किसी व्यक्ति की छवि धूमिल करना, दुष्प्रचार फैलाना और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना गंभीर अपराध है, जिस पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है।

जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई शहर अध्यक्ष मुकेश चंद्रकार ने भी पुलिस प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दोषियों के विरुद्ध शीघ्र, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई कर कानून के शासन और जनता के विश्वास को मजबूत किया जाए। इस दौरान राम सूर्यवंशी, सुमित नारंग, सुमित घोष, आनंद कपूर ताम्रकार, गौरव उमरे, मोहित वालदे, आयुष शर्मा, अनमोल जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

फेसबुक पर युवती के अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना घुमका पुलिस ने सोशल मीडिया पर युवती के नाम से फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई

पीड़िता ने थाना घुमका में लिखित शिकायत की थी कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसके नाम से फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील फोटो, निजी फोटो, वीडियो और मोबाइल नंबर वायरल कर रहा है। इससे उसकी निजता भंग हो रही है। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

लोकेशन ट्रेस कर पकड़ा आरोपी

मामला महिला से जुड़ा होने पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किर्तन राठौर और अनुविभागीय पुलिस अधिकारी डोंगरगांव मंजूलता बाज के निर्देशन में थाना प्रभारी विजय मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस लगातार आरोपी का मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर रही थी। लोकेशन राजनांदगांव रेलवे स्टेशन की मिली। इस पर टीम ने स्टेशन पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

तेलंगाना का रहने वाला है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी मारपल्ली राकेश, 27 वर्ष, पिता मारपल्ली श्रीनिवास, निवासी अलीपुर, पोस्ट अलीपुर, थाना जहीराबाद, जिला संगारेड्डी, तेलंगाना का रहने वाला है। पूछताछ में उसने फेसबुक पर लगातार फोटो और वीडियो वायरल करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को 18 जून 2026 को गिरफ्तार कर राजनांदगांव न्यायालय में रिमांड के लिए पेश किया।

स्थापना वर्षगांठ समारोह : घनश्याम देवांगन "कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान" से हुए सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोष्टा-कोष्टी महासंघ द्वारा अपने प्रथम स्थापना वषर्गांठ समारोह "संगम-2026" का भव्य आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर "ऑनलाइन माध्यम" से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी दिलीप वर्मा की अध्यक्षता एवं महासंघ के अध्यक्ष राजेश कोष्टा, संयोजक शैलेन्द्र कुमार परेता के नेतृत्व व मुख्य सलाहकार निर्मल कोष्टा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर समारोह के प्रमुख आकर्षण के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज के प्रतिभाशाली एवं समर्पित व्यक्तियों तथा संस्थाओं को 7 विशिष्ट केटेगरी में "कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ से यह गौरवशाली सम्मान दुर्ग-भिलाई के घनश्याम कुमार देवांगन को प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि घनश्याम ने छत्तीसगढ़ में विगत 40 वर्षो से देवांगन-कोष्टा समाज के संगठन, जागरूकता, शिक्षा, चहुंमुखी विकास एवं सामाजिक उत्थान के लिए लगातार सक्रियता पूर्वक कार्य कर महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

समारोह के मुख्य अतिथि देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं आर.के. ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रबंध निदेशक किशोर रतिलाल कोष्टी थे। उन्होंने समाज की एकता, शिक्षा, संगठन एवं सामाजिक उत्थान के लिए महासंघ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया। समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर "कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान" प्राप्त करने वालों में कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान - सर्वश्रेष्ठ सहयोगी क्षेत्रीय समिति -युवा कोष्टा समाज महानगर, झांसी। कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान - सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता (उएउ सदस्य) -रविंद्र निखाड़े, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र क्षेत्र। कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान झ संरक्षक सम्मान - डॉ. रविन्द्र कुमार नैयर, गुना। कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान झ सर्वश्रेष्ठ समाज सेवा रत्न- रामप्रसाद कोष्टा दिल्ली, नारायण बाबू कोष्टी जयपुर, नाथूलाल मट्ठा झांसी, सुरेश सोनकुसरे नागपुर, फूलचंद नमर्दा प्रसाद कोष्टी अहमदाबाद, एवं राजेन्द्र

कोष्टा कोष्टी महासंघ के वेबसाईट का हुआ शुभारंभ, महासंघ की दूरदर्शी रोड मैप भी तैयार

कुमार सिवनी। कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान झ उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान 2025-26 - अनमोल कोष्टा कानपुर (कक्षा 10वीं), कु. अद्वितीय सिंह झांसी (कक्षा 12वीं)। कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान झ सर्वश्रेष्ठ सक्रिय कार्यकर्ता- दामोदर वर्मा अहमदाबाद, नीरज कोष्टा जबलपुर, अरुण रेवेकर वारासिवनी, घनश्याम देवांगन दुर्ग-भिलाई, अनिल कुमार मेहर सिमडेगा एवं अवधेश देवांगन नागपुर। कोष्टा-कोष्टी गौरव सम्मान झसर्वश्रेष्ठ महिला सक्रिय कार्यकर्ता- श्रीमती अंजलि धकेता भोपाल, एडवोकेट विनीता माठे इंदौर, श्रीमती नीतू बाकड़े उज्जैन को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर कोष्टा कोष्टी महासंघ के वेबसाईट भी लांच किया गया। कार्यक्रम के दौरान महासंघ की पिछले एक वर्ष की सफल एवं प्रेरणादायी यात्रा का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। साथ ही आगामी वर्षो के लिए महासंघ का समाज के उत्थान के लिए तैयार दूरदर्शी रोडमैप भी प्रस्तुत किया गया। समाज के समग्र एवं सतत विकास हेतु महासंघ द्वारा स्थापित किए जाने वाले 06 प्रमुख निदेशालयों (डायरेक्टरेट) की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जिनमें डायरेक्टरेट- आईटी, जॉब, एजुकेशन, बिजनेस, यूथ, वुमन शामिल हैं। इन निदेशालयों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास के अवसर पहुँचाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

इस अवसर पर देशभर की विभिन्न क्षेत्रीय समितियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन माध्यम से उत्साहपूर्वक सहभागिता की। दिल्ली, झांसी, अहमदाबाद, जयपुर, भोपाल, उज्जैन, इंदौर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, वारासिवनी, गाडरवारा, बुरहानपुर, नागपुर तथा छत्तीसगढ़ सहित अनेक क्षेत्रों से प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर समाज की एकता, शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, युवा विकास, महिला सशक्तिकरण एवं डिजिटल प्रगति को नई गति देने का संकल्प लिया गया। उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने महासंघ के माध्यम से समाज के सर्वांगीण विकास एवं राष्ट्रीय स्तर पर समाज की सशक्त पहचान स्थापित करने हेतु मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। कायर्कारी अध्यक्ष सुरेश बारापात्रे ने सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

न्यायालय को गुमराह करने का आरोप, थाना पदमनाभपुर की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

दुर्ग जिले के एक वरिष्ठ पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता ने दुर्ग पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र सौंपकर थाना पदमनाभपुर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि थाना पदमनाभपुर ने बिना समुचित जांच, बिना बयान दर्ज किए और बिना पर्याप्त साक्ष्यों के अधूरे तथ्यों के आधार पर न्यायालय को गुमराह किया। इससे कटंगी, बालाघाट निवासी 70-75 वर्षीय बुजुर्ग निहालचंद चौरडिया को 600-650 किलोमीटर दूर न्यायालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

क्या है पूरा मामला : जानकारी के अनुसार मुक्त नगर दुर्ग निवासी दिलीप देशलहरा ने बालाघाट मध्यप्रदेश के कटंगी निवासी निहालचंद चौरडिया के विरुद्ध व्हाट्सएप चैटिंग को लेकर न्यायालय में परिवाद पेश किया था। इस मामले में 24 जून 2023 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने थाना पदमनाभपुर को जांच के आदेश दिए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि थाना प्रभारी ने 30 अगस्त 2023 को निहालचंद चौरसिया के उपस्थित होने के आग्रह को नजरअंदाज कर दिया। उससे पहले ही 26 अगस्त 2023 को न्यायालय को सूचित कर दिया गया कि परिवादी उपस्थित नहीं हो रहे हैं। आरोप है कि जांच अधिकारी ने न्यायालय के आदेश का उल्लंघन किया और निष्पक्ष जांच के बजाय एकतरफा कार्रवाई की।

कूटरचित दस्तावेजों का आरोप : शिकायत में कहा गया है कि न्यायालय को गुमराह कर पदमनाभपुर थाना जांच अधिकारी ने गलत और भ्रामक जानकारी दी। सच्चाई पता लगाने के बजाय कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर मामला न्यायालय को सौंप दिया गया। पीड़ित पक्ष ने दो साल पहले पुलिस अधीक्षक दुर्ग को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दो साल बाद दर्ज हुआ बयान : पीड़ित पक्ष की ओर से 9 अप्रैल 2024 को पुलिस अधीक्षक दुर्ग को पत्र लिखकर जांच की मांग की गई थी। दो वर्ष बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कायर्वाही नहीं हुई। इसके बाद 15 मई 2026 को पुनः स्मरण पत्र भेजा गया। अंततः 13 जून 2026 को संबंधित अधिकारी के समक्ष बयान दर्ज कराया गया।

फॉरवर्डकर्ता को बनाया आरोपी : शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया है कि जिस व्हाट्सएप चैटिंग के आधार पर मामला बनाया गया, उसमें निहालचंद चौरडिया केवल एक फॉरवर्डकर्ता थे, न कि मुख्य रचयिता। दिलीप देशलहरा पर आदतन पुलिस को गुमराह करने और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करने के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसकी सत्यता के लिए दिलीप देशलहरा द्वारा थाना नया रायपुर में दिए गए झूठे बयान का सबूत भी पेश किया गया है।

अब देखना है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस मामले में क्या संज्ञान लेते हैं। क्या न्यायालय तक सही जांच कर वास्तविकता पहुंचाई जाएगी या 70-75 वर्षीय बुजुर्ग को न्यायालय के चक्कर काटने पर मजबूर होना पड़ेगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक ओमप्रकाश श्रीवास्तव आ./ध.प. जेपी श्रीवास्तव निवासी-सेक्टर 4 भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम - बासीन प.ह.नं. 12 रा.नि.मं. जेवरा-सिरसा व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 419/1 रकबा 0.057 हे. है। जो भूमिस्वामी रामबती ध.प. जगमोहन के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी रामबती ध.प. जगमोहन की मृत्यु दिनांक 16/12/2005 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06/7/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक - संजय शर्मा आ./ध.प. सुदर्शन शर्मा निवासी-,खेदामारा तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम - खेदामारा प.ह.न. 11 रा.नि.मं. जेवरा-सिरसा व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 179/88 रकबा 0.022 हे. है। जो भूमिस्वामी सुदर्शन शर्मा वल्द कन्हैया शर्मा के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी सुदर्शन शर्मा वल्द कन्हैया शर्मा की मृत्यु दिनांक 12/7/2015 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06/7/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र./202605101000161 /अ-6/वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विक्रम जीत सिंह पिता हरजीत सिंह निवासी दुर्ग द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 8756 रकबा 0.010 हे. भूमि आवेदक के माता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पुर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 25.06.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.05.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र./ब-121 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजू पिता बुडू कुम्हार निवासी सुपेला भिलाई द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 12.12.1977 को को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22.06.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना अपित्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र./202606101000123 -ब-121 वर्ष 2025-26

एदत् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक परमहंस तिवारी /धप जनार्दन तिवारी निवासी- शंकर पारा सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग, द्वारा अपने पुत्र/पुत्री/स्वयं धर्मावती का मृत्यु दिनांक 23/4/2009 को वार्ड नं. 05 तिवारी किराना स्टोर शंकर पारा सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग में मृत्यु हो जाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को इस संबंध में आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 25/6/2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कायर्वाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/6/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया हैं।

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील भिलाई नगर (छ.ग.)

सोशल मीडिया के दबाव पर छलका कृति खरबंदा का दर्द

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया के कारण युवाओं पर बढ़ रहे मानसिक और भावनात्मक दबाव को लेकर चिंता जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर करते हुए बताया कि हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात कुछ ऐसे युवाओं से हुई, जो इस डिजिटल दुनिया के दबाव में बुरी तरह फंसे हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'आज मैं कुछ लोगों से मिली। वे सभी भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक रूप से बुरी तरह थके हुए थे। काम बहुत मुश्किल और अनिश्चित भरा था। वे सभी सोशल मीडिया पर मौजूद रहने और उसे बनाए रखने के दबाव के बारे में शिकायत कर रहे थे। उन सभी लोगों के मन में बड़े-बड़े सपने हैं और उन्हें पूरा करने का जज्बा भी, लेकिन सोशल मीडिया इसमें रुकावट बनता रहता है। इस बीच, मैंने एक बात महसूस की कि उन सभी में एक बात समान थी कि वे इंटरनेट पर लगातार एक्टिव रहने और खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे हुए थे।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'युवा लगातार दूसरों से अपनी तुलना कर रहे हैं। वे न चाहते हुए भी बस कुछ न कुछ पोस्ट करने के दबाव में जी रहे हैं। इनमें से कई लोग अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया से दूर रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें डर था कि ऐसा करने से वे दूसरों की नजरों से कम आकर्षक लगने लगेंगे।' इस बात पर दुख जताते हुए कृति ने लिखा, 'यह देखकर मेरा दिल बैठ गया। काश लोग समझ पाते कि सोशल मीडिया जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं। अगर सोशल मीडिया न भी हो, तब भी एक खूबसूरत और सुकूनभरी जिंदगी जी जा सकती है।' कृति ने युवाओं से अपनी मानसिक शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'हमें अपनी निजी बातें शेयर न करने और लोगों को अपनी जिंदगी में शामिल न करने को पूरी तरह नॉर्मल मानना चाहिए। किसी भी इंसान की कीमत उसके सोशल मीडिया एकाउंट से तय नहीं होनी चाहिए। मुझे पता है कि यह शायद शिकायत जैसा लग रहा है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बहुत से लोग ऐसा ही सोच रहे हैं।'

तब्बू की फिल्म 'चांदनी बार' के सीक्वल में नजर आ सकती हैं कटरीना कैफ

कटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से उनकी बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में खबर है कि अभिनेत्री एक सीक्वल के लिए बातचीत कर रही हैं। इस फिल्म में तब्बू भी शामिल हो सकती हैं। हालांकि इसकी जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, मगर इस प्रोजेक्ट ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कटरीना कैफ एक सीक्वल से जुड़ सकती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में मूल फिल्म की अभिनेत्री तब्बू भी नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई हैं। कटरीना के इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की संभावना ने फैंस के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है।

क्या कटरीना कैफ बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी

फिल्मफेयर के मुताबिक कटरीना कैफ पर 2001 की फिल्म 'चांदनी बार' के सीक्वल 'चांदनी बार 2' के लिए विचार किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं और फिलहाल इसकी कास्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

क्या है 'चांदनी बार' की कहानी?

'चांदनी बार' (2001) का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था। इस क्राइम ड्रामा में मुंबई के अंडरवर्ल्ड की काली सच्चाइयों को दिखाने की कोशिश की गई थी। यह फिल्म मुमताज की कहानी है, जिसका किरदार तब्बू ने निभाया है। मुमताज एक युवा महिला है जिसे बार डांसर के तौर पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। कटरीना कैफ की हालिया फिल्मों में 'सूर्यवंशी', 'फोन भूत', 'टाइगर 3' और 'मेरी क्रिसमस' शामिल हैं। एक्टिंग के साथ-साथ, उन्होंने अपने ब्यूटी ब्रांड को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया है।

एक्टिंग से अलविदा कहने की अपारशक्ति खुराना ने की बात

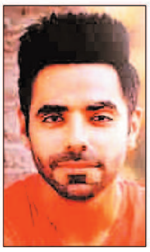

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने हाल ही में अपने करियर के उस दौर के बारे में खुलकर बात की, जब वह मुंबई आने के बाद स्टाइलिस्ट के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि वे कुछ समय बाद एक्टिंग छोड़ देंगे। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि वह अगले 10-12 वर्षों में एक्टिंग से दूर होकर एक नया जुनून अपनाना चाहते हैं और शुरुआत से सिलाई सीखना चाहते हैं। जब अंगद ने अपारशक्ति की फैशन सेंस की तारीफ की, तो अभिनेता ने याद करते हुए कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं सोच रहा था कि बॉम्बे शिफ्ट होने का कोई एक तरीका क्या हो सकता है। तो एक फेज ऐसा भी था जब मैं मुंबई में स्टाइलिस्ट था। मैंने कुछ होस्ट्स को स्टाइल किया था, जो एक बहुत फेमस टीवी चैनल पर बॉलीवुड शो होस्ट कर रहे थे। मैं सच में चाहता हूं कि धीरे-धीरे मैं जो अभी कर रहा हूं, उसे अलविदा कह दूं। मेरा बहुत मन है कि 10-12 साल बाद मैं टेलरिंग सीखूं। कपड़ा कैसे काटना है, कैसे सिलना है, वो सीखना है।'

टाइम मशीन की तरह है 'मेड इन इंडिया - अ टाइटन स्टोरी' पुराने दौर में ले जाता है

अभिनेता जिम सर्भ इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी सीरीज 'मेड इन इंडियाः अ टाइटन स्टोरी' को लेकर चर्चा में हैं। दर्शकों से मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बीच जिम सर्भ ने कहा कि यह सीरीज एक टाइम मशीन की तरह है, जो दर्शकों को सीधे बीते दौर में पहुंचा देता है। सीरीज में जिम सर्भ ने टाइटन के संस्थापक और दूरदर्शी उद्योगपति जेरक्सेस देसाई की भूमिका निभाई है। मुंबई में शो के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस सीरीज का माहौल और प्रस्तुति दर्शकों में पुरानी यादों को ताजा कर देती है। शो में इस्तेमाल किए गए सीन, संगीत और कहानी कहने का अंदाज लोगों को उस समय की दुनिया में ले जाने में सफल रहा। अपने को-एक्टर वैभव तत्ववादी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए जिम सर्भ ने कहा कि दोनों कलाकारों की अभिनय शैली एक-दूसरे से काफी अलग है। उन्होंने बताया कि सीरीज में भी उनके किरदारों के बीच दोस्ती दिखाई गई है और वास्तविक जीवन में भी दोनों के बीच अच्छा तालमेल रहा। जिम के मुताबिक, अभिनय के दौरान कई बार ऐसा महसूस हुआ कि कला जीवन की नकल कर रही है और जीवन कला की, जिससे दोनों कलाकारों के प्रदर्शन को और मजबूती मिली। उन्होंने शो के निर्देशक और तकनीकी टीम की भी सराहना की। जिम ने कहा कि निर्देशक आदित्य ने सीरीज को बेहद खूबसूरती से फिल्माया है और इसकी एडिटिंग भी शानदार है। उन्होंने विशेष रूप से पुराने हिंदी गीतों के इस्तेमाल की तारीफ की और कहा कि इससे शो में अलग तरह का भावनात्मक और पुरानी यादों वाला माहौल तैयार होता है। यही वजह है कि दर्शक खुद को तुरंत उस दौर से जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। 'मेड इन इंडियाः अ टाइटन स्टोरी' में जिम सर्भ के साथ नसीरुद्दीन शाह, लक्षवीर सरन और कावेरी सेठ भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज भारत के प्रतिष्ठित टाइटन ब्रांड की स्थापना और उसके पीछे की सोच को पर्दे पर पेश करती है। शो में जे.आर.डी. टाटा और जेरक्सेस देसाई के उस विजन को दिखाया गया है, जिसने टाइटन को एक वैश्विक पहचान दिलाई। साथ ही यह सीरीज 'मेक इन इंडिया' की भावना को भी दिखाती है, जिसका उद्देश्य भारत को डिजाइन और विनिर्माण के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। 'मेड इन इंडियाः ए टाइटन स्टोरी' फिलहाल अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

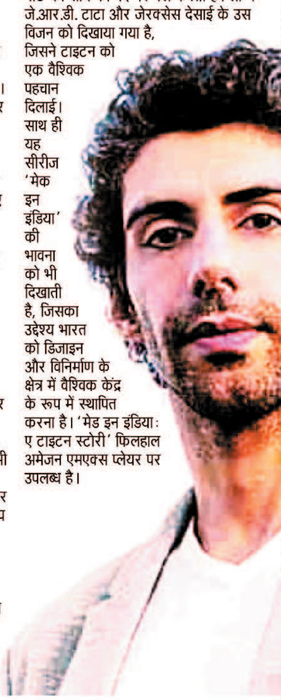

बिग बॉस 20 की तैयारियां शुरू, सलमान खान होस्ट करेंगे शो

टेलीविजन का सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' अपने 20वें सीजन के साथ वापस आ रहा है। लाखों दर्शकों के लिए 'बिग बॉस' का मतलब ही सलमान खान भी है। सलमान के फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि वह एक बार फिर इस शो को होस्ट करने के लिए तैयार हैं।

इस सीजन में क्या होगा खास?

इस शो के मेकर्स नए प्रतियोगियों को चुनने के लिए ऑडिशन शुरू करने वाले हैं। इस बार कुछ पुराने मशहूर प्रतियोगी भी दोबारा घर में एंट्री ले सकते हैं। वैरायटी इंडिया के अनुसार, इस शो की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सलमान 21 सितंबर से इस नए सीजन की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। 'वीकेंड का वार' में सलमान खान का अंदाज, उनका गुस्सा और समझाने का तरीका ही इस शो की असली जान है, जो इस बार भी दर्शकों को देखने को मिलेगा। 'बिग बॉस 19' काफी कामयाब रहा था, जिसमें गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट और अमाल मलिक जैसे सितारों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसी वजह से सीजन 20 से लोगों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

वामसी पेडिपल्ली की फिल्म में सलमान खान

'बिग बॉस' की शूटिंग शुरू करने से पहले सलमान खान अपनी दो बड़ी फिल्मों का काम पूरा करेंगे। वामसी पेडिपल्ली की एक्शन फिल्म में सलमान के साथ साउथ की सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। सलमान इस फिल्म का एक बड़ा हिस्सा 'बिग बॉस' शुरू होने से पहले ही शूट करना चाहते हैं।

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान

'मातृभूमि' फिल्म को अपूर्वा लखिया डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह दिखाई देंगी। फिल्म में सलमान कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। पहले यह फिल्म गलवान घाटी विवाद पर आधारित थी, लेकिन अब इसमें कुछ बदलाव करके चीन से जुड़े संदर्भों को हटा दिया गया है।

'उत्तर दा पुत्तर' में मनोरंजन और भावनाओं का बेहतरीन संतुलन

अभिनेता अन्नू कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि इसकी कहानी और भावनात्मक गहराई ने व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित किया है। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। अभिनेता ने आईएएनएस को बताया कि यह कहानी उन्हें व्यक्तिगत तौर पर इसलिए पसंद आई, क्योंकि यह जीवन की एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिससे लगभग हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस कर सकता है। अक्सर लोग सवालों के जवाब अपने भीतर खोजने के बजाय बाहरी परिस्थितियों, संकेतों या लोगों में तलाशते हैं। अन्नू कपूर के अनुसार, 'उत्तर दा पुत्तर' इसी विचार को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है। फिल्म में कॉमेडी के साथ इमोशंस का बेहतर संतुलन है, जो इसे मनोरंजक होने के साथ-साथ संवेदनशील भी बनाता है। यह एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करती है।

अभिनेता ने बताया कि फिल्म का सबसे खास पहलू यह है कि यह एक गंभीर विषय को बेहद दिल छू लेने वाले अंदाज में पेश करती है। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट उन्हें बाकी फिल्मों से अलग और खास लगा। अन्नू कपूर ने यह भी कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए एक सुखद अनुभव रहा और उन्होंने इसकी शूटिंग तथा कहानी दोनों का आनंद लिया। शुक्रवार को फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर जारी करते हुए लिखा, 'क्या होगा अगर गलत दिशा का चुनाव आपकी पूरी जिंदगी बदल दे? एक ऐसी हिंदी कॉमेडी फिल्म, जो एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी बड़े पर्दे पर नहीं देखा होगा। अब समय ऐसी फिल्मों का है, जहां कंटेंट ही सबसे बड़ा सितारा है। टीजर आ चुका है और सही दिशा की तलाश 24 जुलाई से सिनेमाघरों में शुरू होगी। ट्रेलर जल्द रिलीज किया जाएगा।' टीजर में फिल्म की अनोखी कहानी की झलक दिखाई गई है। फिल्म इस विचार पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की किस्मत केवल सही दिशा चुनने से भी बदल सकती है। कहानी इसी दिलचस्प और अलग कॉन्सेप्ट के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता संदीप कपूर ने कहा, ''उत्तर दा पुत्तर' एक ऐसी कहानी है, जिससे हर कोई खुद को जोड़ सकता है। हममें से कई लोग जीवन में कभी न कभी अपने भीतर जवाब तलाशने के बजाय बाहर खोजते हैं, कभी दिशाओं में तो कभी संकेतों में। यह फिल्म इसी विचार को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है, जिसमें कॉमेडी और इमोशंस का बेहतरीन मेल है।' फिल्म में अन्नू कपूर के साथ रखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रविंद्र ने किया है, जबकि इसका निर्माण संदीप कपूर और प्रिया कपूर ने प्रमोदम मोशन पिकचर्स के बैनर तले किया है। कॉमेडी फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या फरहान अख्तर निभाएंगे आरडी बर्मन का किरदार?

फरहान अख्तर अब अपने नए प्रोजेक्ट पर ध्यान लगा रहे हैं। वह नई फिल्म में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं। फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। खबर है कि फरहान अख्तर को नीरज पांडे के निर्देशन में बनने वाली बायोपिक में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए अप्रोच किया गया है। मेकर्स इस फिल्म में फरहान को लीड रोल में कास्ट करने के इच्छुक हैं।

स्क्रिप्ट पर चल रहा काम

खबर यह भी है कि नीरज कुछ समय से इस बायोपिक पर काम कर रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है। दावा है कि फरहान आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। वह उनकी जिंदगी को पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने विभिन्न विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेमलता पदमाकर (सीईओ) द्वारा आज जिला पंचायत सभाकक्ष में विभिन्न ग्रामीण विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) तथा ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा (आरईएस) अंतर्गत संचालित कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई।

बैठक में सीईओ ने मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों, मानव दिवस सृजन, अमृत सरोवर, जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों, व्यक्तिगत लाभकारी योजनाओं तथा श्रमिकों को समय पर मजदूरी भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने

एवं परिसंपत्तियों के निर्माण से जुड़े कार्यों में तेजी लाई जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा के दौरान ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ओडीएफ प्लस गतिविधियों, सामुदायिक स्वच्छता परिसरों तथा स्वच्छता संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा की गई। सीईओ ने ग्राम पंचायतों में स्वच्छता गतिविधियों को जनभागीदारी के माध्यम से प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की निर्माण प्रगति, अपूर्ण आवासों, किश्त भुगतान तथा हितग्राहियों को समय पर लाभ प्रदान करने की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित आवासों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के गठन, बैंक लिंकेज, आजीविका गतिविधियों, महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक स्वावलंबन से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। सीईओ ने महिला समूहों को स्वरोजगार एवं आयवर्धन गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा (आरईएस) अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों, सड़क, पुल-पुलिया एवं अन्य अधोसंरचनात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता एवं समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं तथा कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कमर्चारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास एवं हितग्राहियों को अधिकतम लाभ पहुंचाने पर बल दिया गया। बैठक में जिला पंचायत के संबंधित अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, जनपद पंचायतों के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

जिले बेमेतरा में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित करने हेतु प्रतिवर्ष भारत सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष उक्त आयोजन में आवेदन दिनांक 31 जुलाई 2026 तक केवल ऑनलाइन माध्यम से लिये जायेगें। जिले से उक्त संबंध में आवेदन ऑनलाईन भरा जाना है। भारत सरकार का महिला एंव बाल विकास मंत्रालय असाधारण क्षमताओं वाले बच्चों को उचित मान्यता देने के लिए हर साल प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) आयोजित करता है यह पुरूस्कार वीरता सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला और संस्कृति तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्गत दिया जाता है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष जनवरी में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में माननीय राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में दिये जाते है। पुरस्कार में एक पदक, प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन प्राप्त करने का पोर्टल को लाइव कर दिया गया है। कोई भी बच्चा जिसकी आयु 5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से अधिक नहीं है, जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकता है। पीएमआरबीपी के लिए आवेदन केवल इस उद्देश्य के लिए डिजाइन किए गए ऑनलाईन पोर्टल ˝ttps://awards.gov.in पर प्राप्त किए जाएगे। ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) पुरस्कार उन युवा बहादुरों को प्रदान किए जाते है जिन्होंने दूसरों के लिए असाधारण बहादुरी के निस्वार्थ कार्य किए है और असाधारण क्षमताओं और उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले छोटे बच्चों को प्रदान किया जाता है। जो रोल मॉडल है और जिनका व्यापक और दृश्य प्रभाव पडा है। खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर्यावरण, कला और संस्कृति एवं नवाचार के क्षेत्र में समाज में जो राष्ट्रीय स्तर पर उचित मान्यता के योग्य है, उन्हें वीरता पुरस्कार एंव उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

खास खबर

कृषक उन्नति योजना से मिली आर्थिक मजबूती, परिवार की जरूरतों और भविष्य की तैयारी को मिला सहारा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले के ग्राम कोडार निवासी किसान सहसराम पटेल के लिए कृषक उन्नति योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि को आगे बढ़ाने और भविष्य के लिए संबल बनने वाली पहल साबित हुई है। धान विक्रय के बाद मिले प्रोत्साहन राशि ने उनके परिवार को आर्थिक मजबूती दी और खेती के प्रति उनका भरोसा और बढ़ाया।

सहसराम पटेल ने इस वर्ष समर्थन मूल्य पर करीब 105 क्विंटल धान बेचा। इसके बदले उन्हें कृषक उन्नति योजना के तहत लगभग 74 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि सीधे उनके बैंक खाते में मिली। सहसराम पटेल ने बताया कि इस राशि का उपयोग उन्होंने खेती के कामों में किया। उन्होंने खाद, बीज और खेती के जरूरी उपकरण खरीदे। साथ ही बच्चों की पढ़ाई के खर्च में भी इस राशि का उपयोग किया। कुछ पैसे उन्होंने भविष्य की जरूरतों के लिए बैंक खाते में सुरक्षित रख दिए। उन्होंने कहा कि खाते में राशि आने से उन्हें काफी राहत मिली। उनका मानना है कि जब किसानों को फसल का उचित दाम और अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिलती है, तो खेती के साथ परिवार की जिम्मेदारियां संभालना आसान हो जाता है। इससे किसान अगली फसल की तैयारी भी बेहतर तरीके से कर पाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित कृषक उन्नति योजना किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में प्रभावी पहल बन रही है। योजना से किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिल रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। सहसराम पटेल ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना किसानों के लिए उपयोगी और भरोसेमंद साबित हो रही है। इससे मिलने वाली अतिरिक्त सहायता परिवार, खेती और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है।

बेमेतरा में सखी वन स्टॉप सेंटर हेतु साईको सोशल काउंसलर पद पर वॉक-इन-इंटरव्यू 30 जून को

बेमेतरा। महिला एवं बाल विकास विभाग, नवा रायपुर अटल नगर के निर्देशों के परिपालन में भारत शासन एवं छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना सखी वन स्टॉप सेंटर, बेमेतरा के संचालन हेतु सेवाप्रदाता की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए पात्र महिला आवेदकों से वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सखी वन स्टॉप सेंटर का संचालन नवीन वित्तीय मापदंड एवं मानव संसाधन प्रावधानों के अनुरूप किया जा रहा है। केंद्र में दैनिक कार्यों के संचालन एवं संबंधित दायित्वों के निर्वहन के लिए साईको सोशल काउंसलर के एक पद पर नियुक्ति की जाएगी। यह पद अनारक्षित (महिला) श्रेणी के लिए निर्धारित है। चयनित अभ्यर्थी को प्रतिमाह 25,700 रुपये सेवा शुल्क प्रदान किया जाएगा। अभ्यर्थी की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष निर्धारित की गई है। वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन 30 जून 2026 को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत सभा कक्ष, जिला बेमेतरा में किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने समस्त मूल दस्तावेजों तथा आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग द्वारा बताया गया है कि नियुक्ति सखी वन स्टॉप सेंटर की नवीन मार्गदर्शिका-2022 के अनुसार की जाएगी। पद से संबंधित शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं अन्य आवश्यक शर्तों की विस्तृत जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय अथवा विभागीय सूचना पट्ट से प्राप्त की जा सकती है।

शिवनाथ नदी में दिखा मगरमच्छ

मोहला मानपुर चौकी। जिले के अम्बागढ़ चौकी ब्लाक के शिवनाथ नदी में मगरमच्छ दिखने से इलाके में दहशत का माहौल है, आपको बता दे कि अम्बागढ़ चौकी नगर शिवनाथ नदी के तट पर बसा हुआ है, शिवनाथ से लगे गौलीटोला गांव के समीप ग्रामीणों ने मगरमच्छ को देखा गया है जिसका वीडियो फोटो शोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। खबर की सूचना मिलते ही डीएफओ वन अमला गाँव में तैनात कर दिया है साथ ही मुनादी भी कराई जा रही है। जिले के एक मात्र मोंगरा डेम होने की वजह से पूर्व में भी मगरमच्छ को वन अमला रेस्क्यू किया था। डीएफओ ने बताया कि कमर्चारियों के तैनात किया गया है लगातार निगरानी बनाकर मुनादी भी कराई जा रही है।

कलेक्टर वर्मा ने दिए लक्ष्य अनुसार प्रगति लाने और बैंकिंग समन्वय मजबूत करने के निर्देश

पात्र हितग्राहियों को समय पर मिले योजनाओं का लाभ, आवेदनों पर बैंक करे त्वरित कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामशर्दात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की तिमाही बैठक लेकर विभिन्न विभागों एवं बैंकों के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं के तहत प्रदत्त लक्ष्यों की प्रगति, लंबित प्रकरणों एवं विभागीय समन्वय की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी बैंक अधिकारियों से टारगेट के अनुसार योजनाओं के प्रकरणों में तेजी लाने और पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बैठक में जिले के सभी बैंकों के अधिकारियों को शासन की योजनाओं के तहत आने वाले ऋण आवेदनों पर बिना किसी देरी के त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के माध्यम से हितग्राहियों को सब्सिडी का लाभ दिलाने के लिए बैंक में ऋण आवेदन भेजे जाते हैं, ऐसे में इन आवेदनों को किसी भी स्तर पर लंबित न रखा जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी आवेदन में दस्तावेज की कमी हो या कोई समस्या हो, तो संबंधित हितग्राही या विभाग को तुरंत जानकारी दें, ताकि कमी को जल्द पूरा किया जा सके और लोगों को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि बैंकों से उच्च कार्यालय द्वारा मांगी जाने वाली जानकारी प्राथमिकता के साथ समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जानकारी भेजने में लापरवाही पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत ऋण वितरण की समीक्षा करते हुए बैंकों को हितग्राहियों को शीघ्र लोन उपलब्ध कराने और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्य के अनुसार योजना में प्रगति लाने पर जोर देते हुए समूह ऋण के साथ व्यक्तिगत ऋण, विशेषकर लखपति दीदी जैसी योजनाओं के हितग्राहियों के आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बैठक में बिना अनुमति के अनुपस्थित रहे बैंक अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्हें शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बैठक में अनुपस्थिति और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और लक्ष्य के अनुरूप कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में आरबीआई से एलडीओ श्री वर्मा, नाबार्ड से हर्ष देशमुख, लीड बैंक मैनेजर सुधीर बट्टा, सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहान से मिली पहचान, वनांचल की ज्योति बनीं लखपति दीदी, सालाना कमाई ढाई लाख रुपये से अधिक

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्र कुकदूर के ग्राम सेंदूखार की निवासी श्रीमती ज्योति पड़वार आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की नई पहचान बन गई हैं। बिहान योजना से मिले अवसर और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने न केवल अपना व्यवसाय स्थापित किया, बल्कि आज लखपति दीदी के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है।

पिछले महीने सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्राम लोखान मं आयोजित चैपाल में ग्रामीणों से संवाद किया था। इस दौरान ज्योति पड़वार ने मुख्यमंत्री को अपनी सफलता की कहानी बताई। उन्होंने साझा किया कि बिहान योजना से मिले सहयोग और ऋण की मदद से आज वे लखपति दीदी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री से हुई आत्मीय बातचीत ने उन्हें आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिली।

ज्योति पड़वार बताती हैं कि पहले उनका अधिकांश समय घरेलू कार्यों में ही बीत जाता था। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर नहीं मिल पा रहा था। इसी दौरान वे बिहान योजना से जुड़ीं, जिसके माध्यम से उन्हें 2 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ।

इस राशि से उन्होंने कुकदूर में फैंसी स्टोर की शुरुआत की और व्यवसाय के लिए आवश्यक सामग्री खरीदी। इसके साथ ही वे अपने पति के सिलाई कार्य में भी सहयोग करने लगीं। लगन और मेहनत से शुरू किया गया यह छोटा सा प्रयास आज एक सफल व्यवसाय का रूप ले चुका है। फैंसी स्टोर और अन्य गतिविधियों से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग ढाई लाख रुपये की आय प्राप्त हो रही है। यही नियमित आय उन्हें लखपति दीदी की श्रेणी में लेकर आई है। इस आय से वे परिवार का खर्च वहन करने के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा, बचत और अन्य आवश्यकताओं को भी पूरा कर रही हैं।

अपनी मेहनत की कमाई से उन्होंने सोने-चांदी के आभूषण भी खरीदे हैं। ज्योति पड़वार का कहना है कि बिहान योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दिया। आज वे स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हैं और परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया विक्रय करने पर कारण बताओ नोटिस जारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा खाद की कालाबाजारी व जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिलेभर में सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कृषि विभाग की टीम द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया विक्रय की शिकायत मिलने पर छुरिया विकासखंड के चिचोला रोड स्थित ग्रामोदय कृषि संसार निजी रासायनिक उर्वरक विक्रय केंद्र का औचक जांच की गई।

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि कृषि विभाग की टीम द्वारा जांच के दौरान कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी राजनांदगांव के वाहन चालक संजय कुमार सिन्हा को ग्राहक बनाकर ग्रामोदय कृषि संसार निजी रासायनिक उर्वरक विक्रय केंद्र भेजा गया। केंद्र के कर्मचारी गोविंद तिवारी द्वारा श्री सिन्हा को यूरिया खाद 600 रूपए प्रति बोरी की दर से विक्रय किया गया तथा राशि फोन-पे के माध्यम से प्राप्त की गई। जांच में निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय किया जाना प्रमाणित पाया गया, जो उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन है। अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए विक्रय केन्द्र में उपलब्ध कुल 47.47 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक जप्त कर सुपुदर्गी में दिया गया तथा विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जप्त किए गए उर्वरकों में 6.05 मीट्रिक टन डीएपी, 15.57 मीट्रिक टन यूरिया, 10.85 मीट्रिक टन ट्रिपल सुपर फास्फेट, 12.50 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट एवं 2.50 मीट्रिक टन म्यूरेट ऑफ पोटाश शामिल हैं। कार्रवाई में अनुविभागीय कृषि अधिकारी राजनांदगांव एसएल देशलहरे, उर्वरक निरीक्षक छुरिया जीपी सहाड़े तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश ठाकुर शामिल थे।

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए जिले में उर्वरक विक्रय केंद्रों की लगातार निगरानी एवं जांच की जा रही है। अब तक जिले के 129 उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 44 विक्रय केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 12 केंद्रों में उपलब्ध उर्वरकों की जप्ती की कार्रवाई की गई है तथा 9 विक्रय केंद्रों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त गंभीर अनियमितता के 4 प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरूद्ध आगे भी कड़ी वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी। कृषि विभाग द्वारा किसानों से निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय किए जाने अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तत्काल कृषि विभाग को देने की अपील की है, ताकि दोषियों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके।

दफ्तर में शराबखोरी पर कलेक्टर सख्त, दो कर्मचारी निलंबित

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

कलेक्टर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई ने कार्यालयीन समय में दफ्तर में शराबखोरी के आरोप में आबकारी विभाग के दो कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर ने यह कार्रवाई की है।

मुख्य लिपिक और सहायक ग्रेड-3 पर गिरी गाज

जारी आदेश के अनुसार 17 जून 2026 को कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला आबकारी कार्यालय में मुख्य लिपिक वीरेंद्र सिंह यादव और सहायक ग्रेड-3 सुजीत पुरी गोस्वामी अपने कार्यालयीन कक्ष में मद्यपान करते पाए गए। प्रथम दृष्टया यह कृत्य शासकीय सेवक के लिए अपेक्षित आचरण के प्रतिकूल, गंभीर अनुशासनहीनता, कदाचार और विभागीय मर्यादा के विरुद्ध है।

छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों का उल्लंघन : कलेक्टर ने आदेश में कहा कि दोनों का यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा

(आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का उल्लंघन है। प्रकरण की गंभीरता और प्रस्तावित विभागीय जांच को देखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1) के तहत दोनों को निलंबित किया गया है।

मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश : निलंबन अवधि में दोनों कर्मचारियों का मुख्यालय जिला आबकारी कार्यालय, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई निर्धारित किया गया है। वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

बिजली दरों में वृद्धि : पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज का सरकार पर हमला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ताम्रध्वज साहू ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने राजनांदगांव प्रेस क्लब में एक प्रेसवार्ता आयोजित की। इस दौरान बिजली के बढ़ते दामों और अन्य मामलों पर चर्चा की गई।

साहू ने बताया कि बिजली के दाम ढाई साल की सरकार में पांचवीं बार बढ़ाए गए हैं। इससे आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने सरकार से बढ़ी हुई दरों को तुरंत वापस लेने की मांग की। घरेलू दरों में 30 से 50 पैसे तक की वृद्धि हुई है। गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए यह वृद्धि 20 से 40 पैसे है। किसानों के कृषि पंपों पर भी 40 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। साहू ने कहा कि किसान और आमजन इससे आहत महसूस कर

रहे हैं। उनके जेब पर बोझ पड़ रहा है और वे मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार का उदाहरण दिया। उस दौरान पांच साल में केवल एक बार दो पैसे की वृद्धि हुई थी।

स्मार्ट मीटर और बिलों में वृद्धि

ताम्रध्वज साहू ने स्मार्ट मीटर को लेकर भी शिकायतें उठाईं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिलों में वृद्धि हुई है। यह वृद्धि तीन से चार गुना तक बताई जा रही है। यह उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। उन्होंने सरकार से इस मामले पर ध्यान देने की अपील की।

विरोध और मांग

कांग्रेस पार्टी प्रदेश भर में बिजली दरों की वृद्धि का विरोध कर रही है। वे प्रेसवार्ता और प्रदर्शनों के माध्यम से सरकार को घेर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने सरकार से बढ़ी हुई बिजली दरों को तुरंत वापस लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि आम जनता के लिए असहनीय है। कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हैं।

शाला प्रवेश उत्सव में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया स्मार्ट क्लास का लोकार्पण

विद्यार्थियों संग प्रार्थना व मंत्रोच्चारण में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर आज दुर्ग के बघेरा हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में स्थापित स्मार्ट क्लास एवं प्रिंट रिच वातावरण का लोकार्पण कर विद्यार्थियों को आधुनिक, रचनात्मक एवं तकनीक आधारित शिक्षण सुविधाओं की सौगात दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री यादव ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक, नवाचार और व्यवहारिक ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र विकास का आधार बन रही है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल सामग्री, वीडियो, चित्र एवं इंटरैक्टिव शिक्षण संसाधनों का लाभ मिलेगा, जिससे अध्ययन अधिक सरल, रोचक एवं प्रभावी बनेगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विकसित किया गया प्रिंट रिच वातावरण बच्चों में पढ़ने-लिखने की रुचि बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कक्षा एवं विद्यालय परिसर में शैक्षणिक चार्ट, शब्द भंडार, प्रेरणादायी संदेश, भाषा एवं गणित आधारित सामग्री तथा ज्ञानवर्धक प्रदशर्नों के माध्यम से विद्यार्थियों को निरंतर सीखने का अवसर प्राप्त होगा। इससे उनकी भाषा दक्षता, रचनात्मकता एवं सीखने की क्षमता में सकारात्मक वृद्धि होगी।

प्रवेश उत्सव के दौरान मंत्री श्री यादव दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। दुर्ग के सरदार वल्लभभाई पटेल प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल में उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश का वितरण भी किया गया। उन्होंने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत बच्चों के जीवन में नए अवसरों और संभावनाओं का द्वार खोलती है तथा विद्यालय का सकारात्मक वातावरण उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सीखने की प्रेरणा विकसित करता है।

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव विद्यार्थियों के साथ प्राथर्ना सभा में भी शामिल हुए। उन्होंने बच्चों के साथ राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वंदना एवं गुरुमंत्र का सामूहिक उच्चारण किया। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने नियमित अध्ययन, अच्छे संस्कार, अनुशासित जीवनशैली तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। मंत्री श्री यादव ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संस्कारित एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले नागरिक तैयार करना है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर श्याम शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा, पार्षद ललित ढीमर, प्राचार्य नितिन, प्राचार्य बंछोर, शाला विकास समिति के सदस्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ सहित 9 राज्यों में धूल भरी आंधी-तूफान और बारिश की चेतावनी

रायपुर/दिल्ली। देश में एक तरफ कई राज्यों में बारिश के संकेत हैं, तो दूसरी ओर उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में लू और धूल भरी आंधी की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की रफ्तार अभी भी कमजोर बनी हुई है और इसका विस्तार रुक-सा गया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, इंटीरियर तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और असम के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश के दौर देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा पूवीत्तर भारत, उत्तर-पूर्वी बिहार, दक्षिण कर्नाटक, लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है। ओडिशा, विदर्भ, दक्षिण-पूर्व राजस्थान, दक्षिण और पूर्वी गुजरात तथा कोंकण और गोवा में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि यह बारिश छिटपुट होगी और लगातार नहीं रहेगी।

विधायक रिकेश की पहल रंग लाई, अगस्त से शुरू हो सकता है निर्माण कार्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की पहल पर कोहका-कुरूद मेन रोड से चंदूलाल चंद्राकर शासकीय मेडिकल कॉलेज तक 2.5 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य को लोक निर्माण विभाग से प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना पर 7.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और निर्माण कार्य अगस्त माह से शुरू होने की संभावना है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि यह सड़क लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही है। सड़क बनने से मेडिकल कॉलेज, आसपास की कॉलोनियों और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा मरीजों और छात्रों की आवाजाही आसान होगी।

उन्होंने बताया कि वैशाली नगर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए सड़कों के विकास के साथ-साथ तीन ओवरब्रिजों की स्वीकृति भी मिली है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में जाम की समस्या कम होगी और यातायात व्यवस्था मजबूत होगी।

विधायक सेन ने कहा कि सड़क, पुल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देते हुए वैशाली नगर को बेहतर और व्यवस्थित विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सड़क परियोजना क्षेत्र के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की नई आधारशिला साबित होगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100